

अगले 35
साल आप
जो करेंगे,
वह
विकसित
भारत का
आधार
होगा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी को अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा। उन्होंने कहा कि मैंने आईआईटी के कई पूर्व छात्रों की सफलता देखी है। उन्होंने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था। इसलिए हमेशा सीखते रहें, सिर्फ सवाल न पूछें और उनके समाधान भी खोजें। पीएम ने छात्रों की मनोदशा पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूँ, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा। इसके बाद सभी लोग हंसने लगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आज हर एक छात्र आने वाले कल के लिए कोई न कोई सपना देख रहा होगा। कोई अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहा होगा, कोई स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा, तो कोई नई प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा होगा। सभी के अपने सपने हैं। जिन्हें पूरा करने के लिए पूरी ताकत से प्रयास किए जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने स्पष्ट करते हुए ये भी कहा कि जब भी बदलाव आता है, उसके साथ चुनौतियां और अवसर दोनों आते हैं। इंडस्ट्री और प्रोफेशन का स्वरूप बदलता रहेगा। इसलिए खुद को तैयार रखें, हर चुनौती का सामना करें।

पीएम ने 3 महत्वपूर्ण बातें कहीं

- छात्र ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी की रफ्तार इतनी तेज है कि यह कहना मुश्किल है कि अगले 20-30 साल में दुनिया कैसी होगी।
- कैम्पस लाइफ और असल जिंदगी में बहुत अंतर होता है। आईआईटी में सिलेबस होता है और पता होता है कि कौन-सी परीक्षा देनी है। कौन-सा कोर्स पढ़ना है। उधर, असली जिंदगी में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। वहां यह भी खुद पहचानना पड़ता है कि असली सवाल क्या है।
- हर पीढ़ी के सामने अलग चुनौतियां और दायित्व होते हैं। देश ने गुलामी ►► शेष पेज 5 पर

यह जानकारी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संसद में दी है

सीमापार आतंकवाद संग पाकिस्तान के साथ सामान्य नहीं होंगे संबंध: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले को कुल करीब 8 साल का वक्त बीत चुका है। लेकिन आज तक भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में आई खटास पूरी तरह से दूर नहीं हुई है। इस तथ्य की पुष्टि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीते दिनों संसद में की है। जिसमें उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध सीमापार आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा रहित माहौल में ही पूरी तरह से सामान्य होने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस मामले में भारत का यही मजबूत पक्ष है। जो आज भी बरकरार है। लोकसभा में हंगामे के बीच विदेश मंत्रालय के कुछ मौखिक प्रश्नों के जवाब सदन के पटल पर रखते हुए उनकी ओर से दी गई यह जानकारी दी गई है। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान न केवल लगातार सीमापार आतंकवाद की नीति पर चलता रहा है। बल्कि वह इसे भारत के खिलाफ अपनी राज्य नीति के एक हथियार के रूप में भी इस्तेमाल करता रहा है। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान न केवल लगातार सीमापार आतंकवाद की नीति पर चलता रहा है। बल्कि वह इसे भारत के खिलाफ अपनी राज्य नीति के एक हथियार के रूप में इस्तेमाल भी करता रहा है।

पीओके में घुसकर बोला हमला

बताते चलें कि 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा आतंकी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कुल 40 जवान शहीद हो गए थे। जिसके जवाब में भारत ने 26 फरवरी को नियंत्रण रेखा पार कर बालाकोट एयरस्ट्राइक की थी। जिसमें भारतीय वायुसेना के जंगी विमानों जैसे मिराज-2000 ने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में मौजूद जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकाने को नेस्तनाबूद कर दिया था।

पहलगांव के बाद भारत ने की सख्ती



वहीं, दूसरी ओर भारत ने पिछले साल एक बार फिर से पाकिस्तान की शह पर किए गए पहलगांव आतंकी हमले के बाद कई कड़े कदम उठाए हैं। जिसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना, अटारी चेक पॉइंट को बंद करना, वीजा पारबंदियां सहित देश में पाकिस्तानी मिशन में राजनयिकों की उपस्थिति को गौण करना मुख्य है। आतंकवादी हमलों की प्रतिक्रिया में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकी अड्डों नष्ट किया है।

भारत ने चीना एमएफएन का दर्जा

विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पुलवामा हमले के बाद ही भारत ने पाकिस्तान से सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) का दर्जा छीन लिया था। साथ ही पाकिस्तान से निर्यात के जरिए आने वाली सभी वस्तुओं पर 200 फीसदी सीमा शुल्क लगा दिया था। यह भारत का ऐसा करारा प्रहार था। जिसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने नई दिल्ली के खिलाफ कुछ एकरफा कदम उठाए। जिनमें राजनयिक संबंधों में गिरावट और भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिबंध लगाना मुख्य रूप से शामिल है।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति

इन सबके बीच भारत ने यह बता दिया है कि सीमापार आतंकवाद और वहां मौजूद आतंकी ठिकानों के प्रति उसकी तरफ से कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। देश के नागरिकों की रक्षा करने के लिए किसी भी तरह की धमकी को नई दिल्ली बर्दाश्त नहीं करेगी। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी।

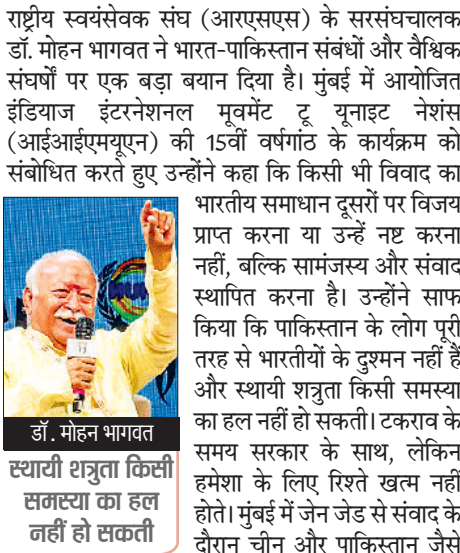
औपचारिकताओं में चलते संबंध

जयशंकर ने यह भी बताया कि वर्तमान में दोनों देशों की राजधानियों में कूटनीतिक मिशन की मौजूदगी बनी हुई है। जिसमें दोनों पक्षों के बीच सिर्फ कामकाजी गतिविधियां ही जारी हैं। सैन्य अभियान महानिदेशकों के स्तर की बातचीत यानी डीजीएमओ, बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षणों से पहले किया जाने वाला अधिसूचनाओं का आदान-प्रदान, परमाणु प्रतिष्ठानों और एक-दूसरे के देश में मौजूद कैदियों की सूची को आपस में बांटा जाना गतिविधियों का हिस्सा है।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत बोले

पाकिस्तानी अपने दिल से भारतीयों के दुश्मन नहीं हैं

एजेंसी ►► मुंबई



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भारत-पाकिस्तान संबंधों और वैश्विक संघर्षों पर एक बड़ा बयान दिया है। मुंबई में आयोजित इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस (आईआईएमयूएन) की 15वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद का भारतीय समाधान दूसरों पर विजय प्राप्त करना या उन्हें नष्ट करना नहीं, बल्कि सामंजस्य और संवाद स्थापित करना है। उन्होंने साफ किया कि पाकिस्तान के लोग पूरी तरह से भारतीयों के दुश्मन नहीं हैं और स्थायी शत्रुता किसी समस्या का हल नहीं हो सकती। टकराव के समय सरकार के साथ, लेकिन हमेशा के लिए रिश्ते खत्म नहीं होते। मुंबई में जेन जेड से संवाद के दौरान चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के साथ जारी तनाव पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब देश में संघर्ष या युद्ध की स्थिति हो, तो हमें अपनी सरकार और सेना के फैसलों के साथ मजबूती से खड़े होना चाहिए। इस दौरान ऐसे जुड़ाव रोके जा सकते हैं जिनसे सुरक्षा को खतरा हो। उन्होंने आगे कहा, लेकिन संघर्ष के कारण बने हुए संबंध हमेशा के लिए खत्म नहीं होने चाहिए। वहीं, पाकिस्तान 100 साल पहले तक भारत का ही हिस्सा था। इस ऐतिहासिक सच्चाई को नहीं भुलाया जा सकता।

हम शुद्ध से नई शुद्धात करें

डॉ. भागवत ने कहा कि टकराव खत्म होने के बाद हमें वहीं से शुद्धात करने की होगी जहां हमने छोड़ा था। स्थायी नफरत और स्थायी दुश्मनी कोई समाधान नहीं है। भारत और पाकिस्तान के आम लोगों के बीच संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव मुख्य रूप से राजनीतिक परिस्थितियों के कारण है। संघर्ष के समय हम अपनी सरकार और सेना के साथ हैं, लेकिन हम जानते हैं कि एक दिन यह टकराव समाप्त होगा और हमें एक होना पड़ेगा, क्योंकि आखिरकार मानवता एक है।

‘इन्हेंसिंग एक्सेस जस्टिस’ कांफ्रेंस में सीजेआई बोले न्याय तभी संभव, जब हम पीड़ित के दुःख-दर्द को उसकी भाषा में समझे



हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

भारत के मुख्य न्यायाधीश और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रमुख संरक्षक न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्याय मिलने से पहले पीड़ित को यह विश्वास होना

आवश्यक है कि उसकी पीड़ा या समस्या को कोई सुन रहा है। उन्होंने कहा कि सभी की समस्याएं अलग-अलग हो सकती हैं, परंतु हर समस्या का समाधान एक जैसा नहीं होगा। स्थानीय समस्या को उसी सोच के साथ निदान तक लेकर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी पीड़ित की समस्या और उसके दुःख-दर्द को हमें उसकी अपनी भाषा में अंतर्गमन से सुनना पड़ेगा। इससे समस्या ►► शेष पेज 5 पर

वायुकर्मियों की कुल संख्या होगी 32, जिसमें 8 अग्निवीर वायु शामिल होंगे

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर आज होगी वायुसेना के बैंड की प्रस्तुति



हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

अगले सप्ताह मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्व में शनिवार को यहां राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय वायुसेना के बैंड की शानदार प्रस्तुति होगी। जिसमें वह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के परम योद्धा स्थल और पब्लिक प्लाजा में अपनी प्रस्तुति से आमजन को मंत्रमुग्ध कर देंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 9 अगस्त को शाम 5 से 6 ►► शेष पेज 5 पर

ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों द्वारा ‘भोपाल घोषणा पत्र’ जारी चोरी हुई या गलत रास्तों से ले जाई गई सांस्कृतिक संपदा वापस लाने का निर्णय



विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 4 दिन से चल रहे ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन-2026 का शनिवार को समापन हो गया। आखिरी दिन

ब्रिक्स देश के संस्कृति मंत्रियों की मौजूदगी में हुई बैठक में ‘भोपाल घोषणा पत्र’ जारी किया गया। इसमें सभी देशों के कलाकारों को मौका देने, चोरी या गलत रास्ते से विदेशों में पहुंची सांस्कृतिक संपदाओं को वापस लाने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन की थीम ‘लचीलापन, नवाचार और स्थिरता’ थी। सांस्कृतिक और विरासत को लेकर साझा रोडमैप तैयार किया गया। डिजिटल ►► शेष पेज 5 पर

अगले साल यूपी विधानसभा चुनाव के मुद्देनजर सरकार और संगठन के स्तर पर संवाद में दिख रही तेजी

पीएम मोदी से मिले सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्य सरकार की योजनाओं पर हुई अहम चर्चा



हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। अगले

साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने शनिवार को पीएम से मिलने से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी से भी मुलाकात की। पीएम से भेंट के उपरांत सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक लिखा कि ‘नए भारत के स्वप्नदृष्टा पीएम नरेंद्र मोदी से आज नई दिल्ली में आत्मीय ►► शेष पेज 5 पर

केंद्र सरकार ने स्थिति की स्पष्ट

सीमा से बाहर लेनदेन पर मामूली शुल्क लगेगा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

यूपीआई उपयोगकर्ताओं को किसी भी तरह का लेनदेन शुल्क नहीं देना होगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम (पीएसएन एक्ट), 2007 में प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य आम उपभोक्ताओं पर शुल्क लगाना नहीं, बल्कि यूपीआई की दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सभी व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) लेनदेन की पूरी तरह निःशुल्क रहेंगे। व्यापारियों के लिए भी यूपीआई के अधिकांश लेनदेन मुफ्त रहेंगे। यदि भविष्य में मंचेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू



किया जाता है तो यह केवल निर्धारित सीमा से अधिक होने वाले सीमित व्यापारी लेनदेन पर नाममात्र दर से लगाया जाएगा। यह दर डेबिट या क्रेडिट कार्ड के एमडीआर की तुलना में काफी

कम होगी। संसद से कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित होने के बाद एनपीसीआई की अध्यक्षता वाली यूपीआई और सेवा संचालन समिति एमडीआर से जुड़े प्रावधानों पर निर्णय लेगी। सरकार के अनुसार, यूपीआई के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकथाम और तकनीकी ढांचे को लगातार मजबूत करने की जरूरत है। पीएसएन एक्ट में संशोधन इसी दिशा में एक सक्षम प्रावधान है। इसका उद्देश्य यूपीआई को सुरक्षित, किफायती, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाते हुए ग्रामीण व अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक इसका विस्तार सुनिश्चित करना है।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा ब्याय

आपकी सतर्कता, हम सबकी सुरक्षा

आज़ादी हमारा उत्सव है। सतर्कता हम सबका कर्तव्य है।

हर सतर्क नागरिक दिल्ली की सुरक्षा को मजबूत बनाता है।

यदि आपको कोई लावारिस वस्तु, असामान्य व्यवहार, संदिग्ध गतिविधि या लंबे समय से खड़ा कोई अपरिचित वाहन दिखे, तो उसे नज़रअंदाज़ न करें। सुरक्षित दूरी बनाए रखें और तुरंत दिल्ली पुलिस को सूचित करें।

लावारिस वस्तु

असामान्य व्यवहार

अपरिचित वाहन

संदिग्ध गतिविधि

एक सतर्क कॉल अनगिनित प्राणों की रक्षा कर सकती है।

आपातकाल 112

आँख और कान योजना हेल्पलाइन 14547

आँख और कान योजना हेल्पलाइन 14547

वाहन की खरीद / बिक्री से पहले केता और विक्रेता का सत्यापन अवश्य करें।

वाहन की खरीद / बिक्री से पहले केता और विक्रेता का सत्यापन अवश्य करें।

अपने किरायेदारों, होटल/होमस्टे में आने वाले अतिथियों एवं कामगारों का सत्यापन और पृष्ठभूमि की जाँच अवश्य करें।

अपने किरायेदारों, होटल/होमस्टे में आने वाले अतिथियों एवं कामगारों का सत्यापन और पृष्ठभूमि की जाँच अवश्य करें।

सार्वजनिक स्थानों पर कुछ भी संदिग्ध नज़र आए, तुरंत पुलिस को उसकी सूचना दें।

सार्वजनिक स्थानों पर कुछ भी संदिग्ध नज़र आए, तुरंत पुलिस को उसकी सूचना दें।

भीड़ भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों में अतिरिक्त सावधानी बरतें।

भीड़ भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों में अतिरिक्त सावधानी बरतें।

सदैव सुरक्षा जाँच में सहयोग करें और पुलिस निर्देशों का पालन करें।

सदैव सुरक्षा जाँच में सहयोग करें और पुलिस निर्देशों का पालन करें।

केवल सत्यापित जानकारी साझा करें। अफवाहें न फैलाएँ।

केवल सत्यापित जानकारी साझा करें। अफवाहें न फैलाएँ।

@DelhiPoliceOfficial

@DelhiPolice

@delhi.police_official

@DelhiPoliceofficial

delhipolice.nic.in

DP/8896/2026

कालकाजी मंदिर और नेहरू प्लेस में मॉक ड्रिल कर जांची सुरक्षा तैयारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने के मकसद से दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस द्वारा कालकाजी मंदिर और नेहरू प्लेस में व्यापक मॉक ड्रिल की गई। इसका मकसद आतंकवादी हमलों और बम से जुड़ी आपातकालीन स्थितियों से निपटने में पुलिस और संबंधित आपातकालीन एजेंसियों की ऑपरेशनल तैयारी, आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं और आपसी तालमेल का आकलन करना था।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को



रात 9 बजे से 12:30 बजे तक कालकाजी मंदिर में एक व्यापक मॉक ड्रिल की गई। अभ्यास के परिदृश्य के अनुसार, नेशनल सिक्वोरिटी गार्ड (एनएसजी) ने

मंदिर परिसर के भीतर अलग अलग जगहों पर बम विस्फोट की दो नकली स्थितियां बनाईं। बीट ऑफिसर ने एक नकली पीसीआर कॉल की और उसे पुलिस कंट्रोल

रूम के जरिए भेजा, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और संबंधित आपातकालीन एजेंसियों ने तुरंत अपनी अपनी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर लागू कर दीं। यह अभ्यास एडिशनल डीसीपी दक्षिण पूर्व, एसीपी, एसएचओ और एटीओ कालकाजी व अन्य पुलिस कर्मियों की कड़ी निगरानी में किया गया। घटना वाली जगह को तुरंत घेरे में ले लिया गया था। आवाजाही को नियंत्रित किया गया और आपातकालीन कार्यों को आसान बनाने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन और भीड़ प्रबंधन के उपाय लागू किए गए। इसके अलावा एनएसजी,

स्वॉट टीम, बम डिस्पोजल स्क्वाड, बम डिटेक्शन टीम, डॉग स्क्वाड, दिल्ली पुलिस पीसीआर, टाइगर पीसीआर, ट्रैफिक पुलिस, डीडीएमए, दिल्ली फायर सर्विस और केट्स एंबुलेंस ने इस अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लिया। बीडीएस और बीडीटी ने डॉग स्क्वाड की मदद से बम का पता लगाने और तोड़फोड़ रोधी जांच की, जबकि एनएसजी और स्वॉट टीम ने अभ्यास के परिदृश्य के अनुसार दो नकली आतंकवादियों को सफलतापूर्वक बेअसर कर दिया। नकली घटना के 20 मिनट के भीतर एक नकली घायल व्यक्ति को

सुरक्षित बाहर निकाला गया और पीसीआर गाड़ी से एम्स अस्पताल पहुंचाया गया। इस अभ्यास में विशेष रूप से आपातकालीन चिकित्सा निकासी तंत्र की गति और दक्षता का परीक्षण किया गया, जिसमें समन्वित बचाव कार्य, प्रभावित क्षेत्र से सुरक्षित आवाजाही और समय पर चिकित्सा सहायता की उपलब्धता शामिल थी। 20 मिनट में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लक्ष्य को पूरा करने से पता चला कि इसमें शामिल सभी एजेंसियों ने कितनी तेजी से काम किया। आपस में कितना अच्छा तालमेल रखा और कितनी प्रभावी बातचीत की।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा की तैयारियों के तहत नेहरू प्लेस जैसे बड़े कमर्शियल और भीड़भाड़ वाले इलाके में भी एक अलग मॉक ड्रिल की गई। इस ड्रिल का मकसद घनी आबादी वाले कमर्शियल इलाके में नकली आतंकी हमले और दूसरी इमरजेंसी स्थितियों से निपटने के लिए पुलिस और दूसरी एजेंसियों की तैयारी को परखना था। अलग-अलग जगहों पर बम धमाके की दो नकली स्थितियां बनाई गईं, जिसके बाद एक नकली पीसीआर कॉल से इमरजेंसी रिसर्पॉन्स सिस्टम एक्टिवेट हो गया। पुलिसकर्मों और खास टीमों तुरंत तय जगहों पर पहुंची व

प्रभावित इलाके को सुरक्षित किया। घेराबंदी कर लोगों की आवाजाही को कंट्रोल किया गया और इमरजेंसी व बचाव गाड़ियों के लिए ट्रैफिक को दूसरी तरफ मोड़ने के उपाय किए। सभी एजेंसियों ने इस मिली-जुली कार्रवाई और बचाव कार्यों में हिस्सा लिया। इन ड्रिल के सफल आयोजन से सभी शामिल एजेंसियों की पेशेवर सोच, तैयारी, तेजी से काम करने और आपस में अच्छे तालमेल का पता चला। साथ ही इससे दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस की जनता के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता भी मजबूत हुई।

ख़बर संक्षेप

नरेला में वाहनों की भिड़ंत में 70 वर्षीय महिला की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में शनिवार सुबह दो कारों की भिड़ंत के दौरान बीच में आ जाने से 70 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। मामुरपुर इलाके में हिमालयाज अपार्टमेंट के सामने सुबह आठ बजे यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि मर्सिडीज और वैगनआर कार के बीच यह भिड़ंत हुई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि वैगनआर पीछे की तरफ उछल गई और पास में खड़े एक तीन पहिया मालवाहक वाहन से जा टकराई। पुलिस के अनुसार हादसे के समय मामुरपुर निवासी उर्मिला मौके पर मौजूद थी। वह दोनों वाहनों के बीच फंसे गई और गंभीर रूप से घायल होने के कारण घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। दुर्घटना में वैगनआर चालक को मामूली चोटें आईं और उसे इलाज उपलब्ध कराया गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद नरेला थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा भिड़ंत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस घटना को लेकर नरेला थाने में मामला दर्ज किया गया है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पार्किंग स्थल की दीवार ढहने से आठ वाहन क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के देवली इलाके में भारी बारिश के दौरान एक निजी पार्किंग स्थल की दीवार शुक्रवार रात अचानक ढह गई। इससे वहां खड़े आठ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम करीब पांच बजे देवली की नई बस्ती में हुई। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि दीवार ढहने के बाद लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और जहां उन्होंने कई वाहनों को मलबे के नीचे दबा हुआ पाया। स्थानीय निवासियों के अनुसार इलाके में सीवर पाइपलाइन का काम चल रहा था। भारी बारिश के बीच चल रहे इस काम के कारण ढांचे के आसपास की जमीन कमजोर हो गई थी। हालांकि, ढांचा गिरने की सही वजह अभी पता नहीं चल सकी है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को दिल्ली एनसीआर में भारी बारिश होने से कई इलाकों में जलभराव हो गया तथा राष्ट्रीय राजधानी में दीवारों और मकानों के गिरने की कई शिकायतें मिलीं।

पाकिस्तानी एजेंट के हनीट्रैप में फंसा वायुसेना अधिकारी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी को आईएसआई एजेंट के हनी ट्रैप में फंסने और सैन्य जानकारी साझा करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय वायुसेना की शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी महिला एजेंट ने आरोपी अधिकारी को सोशल मीडिया के जरिये अपने जाल में फंसाया था। शनिवार को पुलिस ने एक बयान में कहा कि अधिकारी के खिलाफ शासकीय गोपनीयता अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया और उसे 30 मई को गिरफ्तार किया गया था। जांच पूरी होने के बाद 30 जुलाई को सक्षम अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एमसीडी के 187 कर्मचारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में आयोजित स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र सौंपे। सीएम ने इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से जुड़े मेडिकल स्क्रीनिंग पोर्टल का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने 187 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इन नियुक्तियों में 17 स्पेशल एजुकेटर भी शामिल हैं। इस अवसर पर अपने संबोधन में सीएम रेखा ने कहा कि यह केवल नियुक्ति नहीं है बल्कि जन सेवा के लिए मिला एक बेहतरीन मौका भी है। निगम सेवा में आपको ईमानदारी, निष्ठा, जनहित को सर्वोपरि रखकर संवेदनशीलता के साथ किया गया कार्य ही आपके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि साबित होगी। क्योंकि हमारा सबसे पहला लक्ष्य जन सेवा का होना चाहिए जिससे आम लोग खुश हो। उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों से निगम की नागरिक सेवाएं पहले से



अधिक मजबूत होंगी जिसका सीधा फायदा जहां आम जनता को होगा। वहीं नौकरी प्राप्त करने वाले परिवारों को भी एक सम्मानजनक व समाज में आगे बढ़ने में गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के साथ ही वह उनके परिजनों के लिए भी निगम की तरफ दिया गया तोहफा है। इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता के अलावा महापौर प्रवेश वाही, उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत, सदन के नेता जय भागवान यादव, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष मनीष चट्ठा, निगम आयुक्त संजीव खिरवार तथा अतिरिक्त आयुक्त (स्वास्थ्य) पंकज नरेश अग्रवाल आदि मौजूद थे। इस मौके पर बोलते हुए सीएम

रेखा ने कहा कि दिल्ली सरकार नगर निगम को हर संभव सहयोग कर रही है। क्योंकि हमारा मकसद दिल्ली को पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित दिल्ली के सपने को साकार करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार आने के बाद विकास को गति मिली है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निगम जनता की सुविधाओं के लिए अच्छी तरह से कार्य करें, दिल्ली सरकार अपना पूरा सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि निगम सीधे तौर पर दिल्ली के नागरिकों की दैनिक जरूरतों और सुविधाओं से जुड़ा है, इसलिए पर्याप्त श्रेक्षण मानव संसाधन के बिना प्रभावी नागरिक सेवाओं की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि निगम को आधुनिक तकनीक, मजबूत

देश के विकास और वैश्विक स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को सशक्त बनाना आवश्यक : विजेन्द्र

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

लोकतंत्र और सुशासन सर्वमान्य मूल्य हैं, जो तभी सशक्त होते हैं जब विभिन्न देशों के युवा विविध दृष्टिकोणों के साथ सीमाओं के पार संवाद करते हैं। युवाओं को सार्वजनिक नीति की समझ और कूटनीतिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाना सतत विकास और वैश्विक स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए त्‍यंत आवश्यक है। यह बात दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने साप्ताहिक युवा संपर्क कार्यक्रम में आए छात्रों को संबोधित करते हुए कही। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता द्वारा शुरू की गई पहल साप्ताहिक युवा संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को दो अलग-अलग छात्र प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी की। इनमें ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्री यूथ लीडरशिप डायलॉग 3.0 में भाग लेने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी तथा छात्र संसद (डीपीएस लावा, नागपुर) के छात्र सांसद शामिल थे। यह भ्रमण विधानसभा अध्यक्ष के युवा संपर्क के



व्यापक दृष्टिकोण के विस्तार का महत्वपूर्ण उदाहरण रहा, जिसमें वैश्विक युवा नेतृत्वकर्ताओं और देश के छात्र प्रतिनिधियों को लोकातांत्रिक शासन व्यवस्था, संसदीय परंपराओं और विधायी कार्य प्रणाली की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्री यूथ लीडरशिप डायलॉग 3.0 के प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद के दौरान, जिसमें भारत तथा अन्य ब्रिक्स और ब्रिक्स प्लस देशों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी, युवा पेशेवर, शोधकर्ता और उभरते हुए नेतृत्वकर्ता शामिल थे, गुप्ता ने शासन व्यवस्था, सार्वजनिक नीति, कूटनीति, उद्यमिता और वैश्विक सहयोग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की। वहीं दूसरे प्रतिनिधिमंडल में छात्र संसद (डीपीएस लावा, नागपुर) के विद्यार्थी शामिल थे,

- विधानसभा अध्यक्ष ने ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय युवा प्रतिनिधिमंडल और छात्र संसद के विद्यार्थियों से किया संवाद

जिन्होंने नागरिक चेतना और विधायी प्रक्रियाओं की समझ विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित विशेष अभिमुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। युवा प्रतिनिधियों को यह प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला कि संसदीय व्यवस्था में विधेयकों पर किस प्रकार चर्चा होती है, कानून कैसे बनाए जाते हैं और कार्यपालिका की जवाबदेही किस प्रकार सुनिश्चित की जाती है। दोनों प्रतिनिधिमंडलों को ऐतिहासिक विधानसभा सदन का निर्देशित भ्रमण कराया गया और विधानसभा के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान प्रतिनिधिमंडलों ने विधानसभा के संस्थागत इतिहास पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री भी देखी। इसके साथ ही, प्रतिनिधियों को विधानसभा की ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित महत्वपूर्ण कॉफी-टेबल प्रकाशन 'एक शताब्दी यात्रा' के बारे में भी जानकारी दी गई।

महिला से तीन लाख रुपये ठगने वाला व्यक्ति अरेस्ट

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले की साइबर थाना टीम ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का कंश्ठि कर्मचारी बनकर एक महिला से तीन लाख रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी राजीव कुमार ने महिला के बेटे को चालक दल के सदस्य (केबिन कू) की नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। इसे पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके से गिरफ्तार किया गया। वह इलाके की ही एक खुदरा दुकान पर गाड़ था। महिला जुलाई 2024 में सोशल मीडिया के माध्यम से आरोपी के संपर्क में आई थी। उसने खुद को हवाई अड्डे का कर्मचारी बताकर उसके 20 वर्षीय बेटे को नौकरी दिलाने की पेशकश की थी। इसके बाद उसने अलग अलग बहाने से पैसे मांगे। महिला ने 17 सितंबर से 26 दिसंबर 2024 के बीच यूपीआई के माध्यम से 16 बार लेनदेन के जरिए आरोपी को 3 लाख तीन हजार रुपये ट्रांसफर किया। इसके बाद आरोपी नौकरी दिलाने में विफल रहा और उसने महिला से बातचीत करना बंद कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि नौकरी के हद्दकू लोगो का भरोसा जीतकर उनसे पैसे ठगने के लिए उसने जानबूझकर खुद को हवाई अड्डे का कर्मचारी बताया था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त साहिदा, पुत्र: रमेश, निवासी: झुग्गी नंबर— एफ—279, जेजे कॉलोनी, बवाना, दिल्ली ने **FIR No.: 13/19, U/s: 411 IPC, पुलिस थाना बवाना, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को सह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त साहिदा मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त साहिदा फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) ।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना बवाना, दिल्ली** की अभियुक्त साहिदा से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.10.2026** या इससे पहले हाजिर हो ।

आदेशानुसार
युश्री भारती बेनीवाल
जेएमएफसी—05, उत्तर, प्रथम तल, कमरा नंबर 114, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/10636/ON/2026

अलंकित लिमिटेड									
पंजी. कार्यालय : 205-208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, इंडियालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055									
30.06.2026 को समाप्त तिमाही हेतु समेकित एवं स्टैंडअलोन अअंकेशित वित्तीय परिणामों के विवरण का सार									
(ईपीएस को छोड़कर रु. लाखों में)									
क्र. सं.	विवरण	समेकित				स्टैंडअलोन			
		समाप्त तिमाही	समाप्त तिमाही	समाप्त तिमाही	समाप्त वर्ष	समाप्त तिमाही	समाप्त तिमाही	समाप्त तिमाही	समाप्त वर्ष
		30.06.2026 (अअंकेशित)	31.03.2026 (अंकेशित)	30.06.2025 (अअंकेशित)	अंकेशित	30.06.2026 (अअंकेशित)	अंकेशित	30.06.2025 (अअंकेशित)	अंकेशित
1	कुल आय	8172.76	10411.92	10770.55	37344.23	2306.85	5455.89	2722.57	12564.89
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, असाधारण मदों से पूर्व)	771.23	377.25	852.64	2283.52	230.41	472.74	356.85	1380.14
3	कर से पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण मदों के बाद)	771.23	377.25	852.64	2283.52	230.41	472.74	356.85	1380.14
4	कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि)	531.60	238.58	596.15	2087.02	153.48	333.66	234.75	1228.24
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (अवधि हेतु निहित लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)	550.20	265.49	611.99	2161.45	169.19	353.30	249.16	1221.09
6	इक्विटी शेयर कैपिटल	2711.58	2711.58	2711.58	2711.58	2711.58	2711.58	2711.58	2711.58
7	रिजर्व्स (पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की बैलेंस शीट के अनुरूप पुनर्मूल्यांकन रिजर्व्स को छोड़कर)	-	-	-	29008.77	-	-	-	30351.33
8	अर्जन प्रति शेयर (रु. 1/- प्रत्येक के) (वार्धिकृत नहीं)	-	-	-	-	-	-	-	-
1.	बैसिक	0.19	0.08	0.19	0.70	0.06	0.12	0.09	0.45
2.	डायल्यूटेड	0.19	0.08	0.19	0.70	0.06	0.12	0.09	0.45
टिप्पणी :									
1. 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही हेतु उपरोक्त अअंकेशित वित्तीय परिणामों की समीक्षा कर ली गई और ऑडिट कमेटी द्वारा अनुशंसा की गई तथा 07 अगस्त 2026 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किये गये।									
2. उपरोक्त सेबी (लिरिटिंग एवं अन्य घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के पास दायर किये गये तैमहिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। तैमहिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइटस www.bseindia.com और www.nsindia.com पर उपलब्ध हैं। ये कम्पनी की वेबसाइट www.alankit.in पर भी उपलब्ध हैं।									
3. उपरोक्त परिणाम कम्पनी के अग्रिम नियम 2013 की धारा 133 और अन्य मान्यताप्राप्त लेखा प्रैक्टिसेज और पॉलिसीज, जहां तक लागू योग्य हैं, के तहत निर्धारित कम्पनी (भारतीय लेखा मानकों) नियमों 2015 (Ind AS) के अनुरूप तैयार किये गये हैं।									
									
दिनांक : 07.08.2026									
स्थान : नई दिल्ली									

कृते अलंकित लिमिटेड

हस्ता/-

अंकित अग्रवाल

प्रबंध निदेशक

98 मिमी बारिश की गई दर्ज

बारिश ने तोड़ा 15 साल का रिकॉर्ड राजधानी के कई हिस्से हुए जलमग्न

हरिभूमि न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

दिल्ली में शुक्रवार को हुए मूसलाधार बारिश ने अगस्त महीने में 15 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से पहले दिल्ली में औसत 98 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि इसी दौरान तीन मौसम केंद्रों ने 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की है।

वहीं भारी बारिश के दूसरे दिन शनिवार को भी राजधानी के कई हिस्सों में बरसाती पानी खड़ा रहा, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। इनमें बुराड़ी गांव, बुराड़ी 100 फुटा रोड़, संगम विहार, नजफगढ़ के कई क्षेत्र, पीरागढ़ी, मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, जहांगीरपुरी, समयपुर-बुराड़ी रोड, करावल नगर, गंगा विहार, दुर्गा विहार, पंजाबी बाग सीमेंट साइट रोड, रानी बाग, त्रिनगर, करोल बाग, भजनपुरा, खानपुर, देवली, आली गांव, बदरपुर आदि जगह शामिल है। आईएमडी के अनुसार दिल्ली में



नई दिल्ली। पुराना रेलवे ब्रिज के पास यमुना नदी का बढ़ा जलस्तर, बाढ़ नियंत्रण इकाइयों को हाई अलर्ट जारी।

फोटो : एजेसी

अगस्त के पहले सप्ताह में वर्ष 2011 के बाद अगस्त महीने में सबसे अधिक बारिश शुक्रवार 7 अगस्त 2026 को दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार अगस्त महीने के पहले सात दिनों में राजधानी में 127 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है। शुक्रवार तक लगातार

बारिश के कारण शहर में अगस्त के पहले सप्ताह में 15 वर्षों की सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। शहर के कई मौसम केंद्रों पर

एक दिन में 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से पहले के 24 घंटों में आया नगर में सबसे ज्यादा 115 मिमी पानी बरसा। जबकि पालम में 104.6 मिमी और नजफगढ़ में 103.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा लोधी रोड 86.8 मिमी, रिज एरिया 89.8 मिमी, राजघाट 62.6 मिमी, पूसा 81.5 मिमी और मयूर विहार में 69.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। शनिवार को भी दिल्ली में रह रहकर बारिश दर्ज हुई। सुबह से ही आसमान पर काले बादल देखने को मिले। लेकिन दोपहर के करीब उमस बढ़ने लगी और सूरज भी बादलों से झांकने लगा। लेकिन दोपहर बाद एक बार फिर आसमान पर काले काले बादलों ने डेरा जमाया और कई हिस्सों में पानी बरसने लगा। आईएमडी ने ताजा अनुमान में बताया है कि अगले तीन चार दिन हल्की बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री व न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहने का अनुमान है।



मंडावली रेलवे अंडरपास में भरा पानी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मीनगर विधानसभा में मंडावली रेलवे अंडरपास में शुक्रवार रात इतना पानी भर गया कि लोगों की आवाजाही बंद हो गई। रात 12 बजे की बात करें तो अंडरपास के नीचे इतना पानी भर गया कि दो कारें उसमें फंस गईं। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उनके वाहनों को निकाला। और अन्य राहगीरों को आगे जाने से रोका। अंडरपास में इतना पानी भर गया था कि किसी भी व्यक्ति के लिए पैदल पार करना मुश्किल था।

डीडीए के दो तालाबों के विकास कार्यों में अनियमितता की शिकायत



हरिभूमि न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के नरेला स्थित बांकनेर गांव से दो तालाबों में नियमितताओं को मामला सामने आया है। आरोप है कि डीडीए के संबंधित प्रशासन द्वारा सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई सूचना समय पर उपलब्ध नहीं कराई जा गई है और आधी-अधूरी जानकारी देने का आरोप सामने आया है। बांकनेर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष व शिकायतकर्ता सुंदर लाल खत्री ने शनिवार को बताया कि बांकनेर गांव स्थित दो तालाबों के विकास एवं पुनर्निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच कराने तथा जांच पूरी होने तक संबंधित ठेकेदार के बिलों के भुगतान पर रोक लगाने की मांग की है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, कई बार संपर्क करने के बाद भी कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं, डीडीए के अधीक्षण अभियंता गौरव मीणा ने कहा कि विभाग संबंधित नियमों के अनुसार कार्य कर रहा है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार अनियमितताओं से इंकार किया है। वहीं, बता दें कि उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने विभिन्न समीक्षा बैठकों में डीडीए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी विकास कार्य की गुणवत्ता

- आरडब्ल्यूए को भी अधिकारी नहीं दे रहे जवाब
- डीडीए प्रशासन कर रहा है नियमानुसार कार्रवाई: डीडीए

में कमी पाई जाती है तो अधिकारी पर भी नियमानुसार एक्शन किया जाएगा।

तालाबों के निर्माण कार्य पर भी उठाए सवाल

शिकायतकर्ता ने आरटीआई के साथ-साथ दोनों तालाबों के विकास कार्यों की गुणवाा पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि तालाबों में विकास कार्य आगे बढ़ने के साथ ही पीछे किए गए कार्यों की मरम्मत शुरू हो रही है। उन्होंने दावा किया कि यह मुद्दा 19 फरवरी 2026 को मुकरबा चौक स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय में आरडब्ल्यूए के साथ हुई बैठक में भी उठाया गया था, लेकिन इसके बाद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने बताया कि अब जुलाई 2026 में दोबारा शिकायत भेजकर शिकायतकर्ता ने दोनों तालाबों के विकास कार्यों की किसी निष्पक्ष एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। साथ ही जांच पूरी होने तक संबंधित ठेकेदार के बिलों का भुगतान रोकने का अनुरोध किया गया है।

शिवभक्त व कांवड़ सेवा शिविर को किसी प्रकार की ना हो असुविधा: रेखा

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा दिल्ली-यूपी बॉर्डर, मुख्यमंत्री ने शिवभक्तों पर की पुष्पवर्षा

हरिभूमि न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार का प्रयास है कि दिल्ली में आने वाले किसी भी शिवभक्त व कांवड़ सेवा शिविर को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली - उत्तर प्रदेश (अप्सरा) बॉर्डर, दिलशाद गार्डन के समीप स्थित कांवड़ सेवा शिविर में पहुंचकर शिवभक्तों का स्वागत करने के दौरान यह बात कही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

इस दौरान उन्होंने शिवभक्तों से संवाद कर उनकी यात्रा व



व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली और सभी के मंगलमय, सुरक्षित और सफल कांवड़ यात्रा की कामना की। भक्तिभाव से भरे इस विशेष कार्यक्रम में दिल्ली सरकार

में कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, विधायक संजय गोयल, जितेंद्र महाजन सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त, सेवा शिविर संचालक व कार्यकर्ता उपस्थित थे। आयोजन

में मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में संचालित विभिन्न कांवड़ सेवा शिविरों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने शिवभक्तों के लिए उपलब्ध भोजन, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, विश्राम व अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली, साथ ही सेवा में समर्पित शिविर संचालकों और कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने उनके सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा करना आस्था, समर्पण और सामाजिक सहभागिता का अद्भुत उदाहरण है।

कांवड़िए भगवान भोलेनाथ के स्वरूप में पूजनीय

मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन मास में हजारों शिवभक्त हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर पैदल अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं और भगवान शिव का जलामिषेक करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कांवड़िया भगवान भोलेनाथ के स्वरूप में पूजनीय और सम्माननीय है तथा इस वर्ष बड़ी संख्या में महिलाएं भी कांवड़ यात्रा में शामिल हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा कांवड़ सेवा समितियों को वित्तीय सहायता, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं, ट्रैफिक मैनेजमेंट, मोबाइल शौचालय एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सभी पर बना रहे भगवान आशीर्वाद

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था, श्रद्धा और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शिवभक्तों की सेवा और स्वागत के लिए विभिन्न स्थानों पर किए जा रहे प्रयास समाज की सेवा भावना और धार्मिक आस्था का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। मुख्यमंत्री ने सभी शिवभक्तों व दिल्लीवासियों को सावन मास की शुभकामनाएं देते हुए कामना की कि भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और सभी की कांवड़ यात्रा मंगलमय एवं सुरक्षित हो।

सूद ने दिल्ली फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

दिल्ली में समयबद्ध फॉरेंसिक जांच न केवल मुकदमों में होने वाली देरी को कम करने में महत्वपूर्ण है, बल्कि नागरिकों को शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने में भी इसकी अहम भूमिका है। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल), दिल्ली का दौरा कर उसकी वैज्ञानिक आधारभूत संरचना, फॉरेंसिक जांच सुविधाओं और समग्र कार्यप्रणाली की समीक्षा के बाद यह बात कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश के आधार पर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी को वैज्ञानिक तथा मानव संसाधन के आधार पर लगातार आधुनिक और मजबूत किया जा



रहा है। आज एफएसएल पहले से अधिक मानव क्षमता, आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति, स्टेट ऑफ द आर्ट भवन, उन्नत प्रयोगशाला के साथ काम कर रहा है।

इस दौरान उन्होंने प्रयोगशाला की प्रमुख उपलब्धियों तथा फॉरेंसिक सेवाओं को मजबूत करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी भी प्राप्त की। गृह मंत्री ने एफएसएल में लंबित

मामलों में 72 प्रतिशत की कमी के लिए एफएसएल की सराहना भी की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान एफएसएल, दिल्ली ने आपराधिक न्याय प्रणाली को वैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने तथा बीएएस, बीएनएसएस और बीएसए के तहत नई आपराधिक कानून व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण प्राप्ति दर्ज की है। लंबित

मामलों की संख्या जून 2025 में 27,585 से घटकर 31 जुलाई 2026 तक मात्र 7,178 रह गई है। पिछले 12 महीनों में कुल 3 लाख 49 हजार 519 एजहिबिटस का निस्तारण किया गया है। इसके साथ ही पॉक्सो के लंबित मामलों में भी कमी आई है।

पोस्को और एनडीपीएस मामलों की रिपोर्टिंग वर्तमान में 15 कार्य दिवसों के भीतर की जा रही है। सूद ने बताया कि वर्ष 2025 में लैबोरेट्री में प्राप्त मामलों की जांच एवं रिपोर्टिंग के लिए 247 वैज्ञानिक कर्मियों (जेएसओ/एसएसओ/जेएसए) की संविदा आधार पर मिशन मोड में भर्ती की गई। साथ ही जांच एव सीन ऑफ क्राइम से संबंधित कार्यों में लगी टीमों को मजबूत करने के लिए 90 एमएससी योग्य इंटेन को 30 हजार प्रति माह के स्टैंडेंड पर नियुक्त करने की पहल की गई है।

महिला आत्म रक्षा कार्यक्रम से छात्राओं में बढ़ता है आत्मविश्वास: चांदेलिया

नई दिल्ली। प्रत्येक महिला और छात्रा को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेना चाहिए। प्रशिक्षण लेने के बाद महिलाओं में न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि वे मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने के लिए भी मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार होती हैं। क्षेत्रीय सांसद योगेंद्र चंदेलिया ने कहा कि मंगोलपुरी स्थित शहीद भगत सिंह स्टेडियम में चल रहे आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल काबू-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि उन्हें स्वयं सक्षम बनाने से भी जुड़ा है। जिला प्रशासन उत्तर - पश्चिम के 'उड़ान' कार्यक्रम के तहत दिल्ली पुलिस बाहरी जिला संपर्क शाखा के सहयोग से डीएवी एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से 16 जुलाई से यह प्रशिक्षण दिया जा रहा था। इस दौरान सांसद व डीएम ने प्रमाण पत्र और जूते बांटे। वहीं, 150 युवाओं ने पर्यावरण प्रहरी बनने का संकल्प लिया।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर द्वारका में दक्षिण-पश्चिम जोन ने आयोजित की जागरूकता बैठक

नई दिल्ली। निगम के दक्षिण-पश्चिम जोन ने शनिवार को डीडीयू कॉलेज, द्वारका में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियम, 2026 पर हितधारक जागरूकता को लेकर एक बैठक का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन दक्षिण-पश्चिम जोन के उपायुक्त शाश्वत सौरभ के नेतृत्व में किया गया। जिसमें पार्षद रामनिवास गहलोत सहित डीडीयू कॉलेज के प्राचार्य, निगम अधिकारी, रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), मार्केट एसोसिएशन, मंडी एसोसिएशन तथा अन्य हितधारकों मौजूद थे। बैठक में सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने तथा एसडब्ल्यूएम नियम, 2026 के अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया। इसमें विशेष रूप से हल्क वेस्ट जनरेटर्स (हौडब्ल्यूजी) की भूमिका एवं जिम्मेदारियों, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट प्रसंस्करण तथा लैंडफिल साइट्स पर जाने वाले कचरे में कमी लाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान जीरो वेस्ट कॉलोनियों की अवधारणा पर भी गंभीरता से बात की गई। जिसमें आरडब्ल्यूए एवं स्थानीय समुदायों की भूमिका जैसे कचरे का पृथक्करण, कम्पोस्टिंग, रीसाइक्लिंग तथा अवशिष्ट कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन कैसे हो को रेखांकित किया गया। इस मौके पर उपायुक्त सौरभ ने सभी हितधारकों से अपील करते हुए कहा कि वह सभी आपस में मिलकर कार्य करें तथा जिम्मेदार और सतत अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने।

‘कम समय में इतने बड़े पैमाने पर पंजीकरण होना एक रिकॉर्ड’ दिल्ली लक्ष्मी योजना: शुरूआती सात दिनों में पांच लाख से अधिक हुए पंजीकरण : रेखा

हरिभूमि न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी और अग्रणी 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' को राजधानी की महिलाओं का अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है। गत 1 अगस्त से शुरू हुई योजना के शुभारंभ के केवल 7 दिनों के भीतर ही पांच लाख से अधिक महिलाओं ने पोर्टल पर पंजीकरण करा लिया है, जबकि दो लाख से अधिक आवेदन अंतिम रूप से जमा (फाइनल सबमिट) किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना को लॉन्च के महज सात दिनों में मिल रहा अभूतपूर्व जनसमर्थन अपने आप में ऐतिहासिक है। किसी भी सरकारी योजना में इतने कम समय में इतने बड़े पैमाने पर पंजीकरण होना एक रिकॉर्ड है। ये आंकड़े



योजना के प्रति महिलाओं के बढ़ते विश्वास और आर्थिक सक्रियीकरण के लिए दिल्ली सरकार की पहल को मिल रही व्यापक स्वीकृति को दर्शाता है। दिल्ली की शनिवार

योजना लाखों परिवारों के जीवन में लाएगी सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह योजना लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली है। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में रिकॉर्ड संख्या में पंजीकरण होना दिल्ली की माताओं-बहनों के सरकार और योजना के प्रति विश्वास को दर्शाता है। सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि महिलाओं को बचत, डिजिटल वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जोड़ना है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक पात्र महिला तक योजना का लाभ पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ पहुंचे।

दोपहर तक दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत कुल 5 लाख 14 हजार 460 महिलाओं के

खबर संक्षेप

करंट लगने से दो युवकों की मौत

फरीदाबाद। तेज मूसलाधार बारिश के दौरान करंट लगने से अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। पहली घटना सेहतपुर इलाके की है, जहां 26 वर्षीय रामखेलावन की बिजली के खंभे में उतरे करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, दूसरी घटना ओल्ड फरीदाबाद के अहीरवाड़ा इलाके में हुई, जहां 22 वर्षीय अयान की वर्कशॉप में रखे लोहे के स्टैंड वाले पंखे में करंट आने से जान चली गई। पहली घटना सेहतपुर की है। राम खेलावन ब्रिंकिंट में डिलीवरी का काम करता था और चेतन मार्केट में रहता था। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे वह सामान की डिलीवरी करने के लिए बाइक से सेहतपुर की तरफ जा रहा था। बारिश के कारण रास्ते में जगह-जगह पानी भरा हुआ था। इसी दौरान वह एक बिजली के खंभे के पास से बाइक लेकर गुजर रहा था। बताया जा रहा है कि खंभे में करंट उतरने के कारण रामखेलावन उसकी चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

9 अगस्त से 11 अगस्त तक बढ़ाई हड़ताल

फरीदाबाद। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर तीसरे दिन भी जारी रही राज्यव्यापी हड़ताल नगर निगम मुख्यालय पर कर्मचारियों ने किया जोरदार प्रदर्शन और निकाला जलूस। आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता संघ के बलबीर सिंह बालगुहेर प्रधान सफाई कर्मचारी युनियन ने की। संचालन सचिव महेन्द्र कुडिया ने किया। संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा है कि सरकार कर्मचारियों के साथ लगातार वायदा खिलाफी कर रही है अब हरियाणा का कर्मचारी सरकार की नियत को समझ चुका है। सरकार कर्मचारियों को पक्का करने का पत्र जारी नहीं करेगी। यह हड़ताल जारी रहेगी संघ ने हड़ताल को 9 अगस्त से 11 अगस्त तक बढ़ाने का ऐलान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ

सम्मेलन की संयोजक डॉ. अमिता सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को आवश्यक बताया।

हरिभूमि न्यूज ►► गुरुग्राम

डीपीजी डिग्री कॉलेज, गुरुग्राम में बहुविषयक नवाचार एवं अनुसंधान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में देशभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, विषय विशेषज्ञों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद



विभिन्न विषयों में पीएच.डी. कार्यक्रमों के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की गई। सम्मेलन की संयोजक डॉ. अमिता सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का

सहयोगात्मक अनुसंधान को आवश्यक बताया। उद्घाटन सत्र में वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत, प्राचार्य डॉ. एस.एस. बोकेन, निदेशक अकादमिक डॉ. प्रह्लाद सिंह और रजिस्ट्रार अशोक गोगिया ने संबोधित किया। वक्ताओं ने शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समन्वय को समय की आवश्यकता बताते हुए शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को तकनीकी प्रगति के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही अनुसंधान में नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व बनाए रखने पर जोर दिया।

नई संभावनाओं पर विचार विमर्श हुआ तकनीकी सत्रों में सुश्री सोम्या कौशिक ने 'नवीन विचारों का संरक्षण : पेटेंट का महत्व' विषय पर तथा डॉ. प्रतिभा पांडेय ने 'उच्च प्रभाव वाले शोध प्रकाशनों के लिए प्रभावी शोध लेखन' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शोध और प्रभावी शोध प्रकाशन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। शोध-पत्र प्रस्तुतियों के दौरान एआई और विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों के बीच अंतर्विषयक संबंधों तथा नवाचार की नई संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ।

60 वर्षीय ड्राइवर को पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया

ओल्ड अंडरपास के दोनों ओर पुलिस तैनात, डूबी हुई फॉर्च्यूनर कार को निकालने का काम शुरू

फरीदाबाद के दयाल बाग, सेक्टर 16, सेक्टर 14, विनय नगर ए ओल्ड में घरों के अंदर पानी भर गया। बारिश से डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे सर्विस रोड, दिल्ली-आगरा हाईवे समेत प्रमुख संपर्क मार्गों और विभिन्न कॉलोनियों सहित 50 से अधिक स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई, वहीं दूसरी तरफ मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में जोरदार बारिश की चेतावनी दी है

हरिभूमि न्यूज ►► फरीदाबाद

औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में हुई 113 एमएम बारिश ने प्रशासन की मानसून को लेकर तैयारियों की पोल खोल दी। शहर के ओल्ड ग्रीन फील्ड अंडरपास को शनिवार के दिन भी बंद रखा गया है। ओल्ड अंडर पास में डूबी फॉर्च्यूनर कार को बाहर निकालने का काम शुरू किया जाएगा। जबकि स्कूल बस को रात को बाहर निकाल लिया गया। दोनों अंडरपास के दोनों तरफ पुलिस को तैनात किया गया है। दूसरी तरफ मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में जोरदार बारिश की चेतावनी जारी की है। शुक्रवार को हुई बारिश से फरीदाबाद के दयाल बाग, सेक्टर 16, सेक्टर 14, विनय नगर ए ओल्ड में घरों के अंदर पानी भर गया। बारिश से डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे सर्विस रोड, दिल्ली-आगरा हाईवे समेत प्रमुख संपर्क मार्गों और विभिन्न कॉलोनियों सहित 50 से अधिक स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई। सेक्टर-37 के पेट्रोल पंप के पास डीएनडी एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर करीब एक किलोमीटर तक पानी भरने से वाहन ड्राइवरों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सर्विस रोड पर करीब डेढ़ फुट पानी होने से ऑटो-दोपहिया समेत कई वाहन पानी में बंद हो गए। जबकि कारों और अन्य वाहनों को रेंग-रेंगकर निकलना पड़ा। जलभराव के कारण कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी दिखाई दीं, जिससे

खास बातें

- अंडरपास को बंदकर वाहनों की आवाजाही रोक दी
- 50 से अधिक स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई



दुर्घटना का खतरा भी बना रहा। लगातार हो रही बारिश के चलते ओल्ड फरीदाबाद रेलवे अंडरपास में कई फुट पानी भर गया। जलभराव के कारण दोपहर व शाम के समय एक स्कूल बस और फॉर्च्यूनर कार पानी में फंस गई। गनीमत रही कि स्कूल बस में बच्चे मौजूद नहीं थे। बस ड्राइवर और कर्मचारी जान बचाने के लिए बस की छत पर चढ़ गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं शाम को पानी में फंसी फॉर्च्यूनर कार के करीब 60 वर्षीय ड्राइवर को भी पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। महाराजपुर, ग्रीन फील्ड और गुरुकुल रेलवे अंडरपास में बारिश का पानी भर गया। ऐसे में यातायात पुलिस ने चारों रेलवे अंडरपास को बंदकर वाहनों की आवाजाही रोक दी। गौरतलब है कि ओल्ड फरीदाबाद अंडरपास में वर्षा के दौरान पानी भरने की समस्या नई नहीं है। 13 सितंबर 2024 को करीब 10-11 फुट पानी भरने के बाद एक एसयूवी कार अंडरपास में डूब गई थी। कार में सवार गुरुग्राम के निजी बैंक के कार्यरत मैनेजर पुण्यश्रय शर्मा और कैशियर विराज द्विवेदी की अंदर फंसने से मौत हो गई थी। दोनों की मौत घट घुटने के कारण हुई थी। उस हादसे के बाद प्रशासन ने अंडरपास के मुहाने पर स्टील के गेट लगवा, थे, ताकि बारिश के दौरान पानी भरने पर वाहनों का प्रवेश रोका जा सके। शुक्रवार को हालात यह रहे कि फतेहपुर चंदीला की तरफ लगे गेट से पहले ही सात से आठ फीट तक पानी जमा हो गया था। इस कारण अंडरपास के बाहर तक जलभराव हो गया और वाहन ड्राइवरों के लिए खतरा बढ़ गया।

बारिश ने खोली सूरजकुंड रोड की पोल, पुलिस का बड़ा हिस्सा धंसा

फरीदाबाद। दो दिन हुई लगातार वर्षा की वजह से सूरजकुंड रोड पर पुलिस का बड़ा हिस्सा धंस गया है। यह हिस्सा सिद्धदाता आश्रम और एमवीएन के बीच में है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बढ़ गया है। सड़क धंसने

के कारण मार्ग की हालत खराब हो गई है और यहां किसी भी समय हादसा होने की आशंका बनी हुई है। रात के समय समस्या और बढ़ जाएगी, क्योंकि सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से को दूर से आसानी से देखा नहीं जा सकता। वैसे भी इस सड़क पर अंधेरा रहता है। वाहन चालकों के अनुसार वर्षा के दौरान शहर की कई सड़कों की गुणवत्ता की पोल खुलकर सामने आ गई है। सूरजकुंड क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क का धंसना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है।

क्राईम ब्रांच सेक्टर-16 की कार्रवाई कंपनी से एसी गैस के बॉक्स चुराने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस द्वारा चोरों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है जिस पर सेक्टर-50 स्थित कंपनी से एसी गैस के बॉक्स चुराने के मामले में क्राईम ब्रांच सेक्टर-16 की टीम ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान राहुल व अमिर निवासी खैरथल राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि अरुण निवासी दिल्ली ने थाना डबुआ में दी अपनी शिकायत में बताया कि वह डबुआ पाली रोड सेक्टर-50 स्थित एक कंपनी में सुपरवाइजर है, 2 अगस्त 2026 को दोपहर 2.30 बजे उसके पास एक व्यक्ति का फोन आया की आपकी कंपनी की दीवार टूटी हुई है तथा कंपनी से कुल 59 एसी गैस के बॉक्स चोरी हुए है, जिस शिकायत पर थाना डबुआ में चोरी से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी दोस्त है तथा एक ही गांव के रहने वाले हैं। आरोपियों के एक अन्य साथी ने चोरी की साक्षियों की साथ ऑटो में सवार होकर आये थे और लोहे की रोड से कंपनी की पीछे की दीवार तोड़ दी तथा



59 एसी बॉक्स को ऑटो में रखकर वहां से फरार हो गए, ऑटो आरोपी आमीर का था। दोनों को माननीय न्यायालय में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

अलग-अलग कार्रवाई में 5 देसी कट्टा जब्त अवैध हथियार रखने वालों पर फरीदाबाद पुलिस का प्रहार

हरिभूमि न्यूज ►► फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। 7 अगस्त को अपराध शाखाओं की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 5 आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5 देसी कट्टे बरामद किये हैं। पुलिस के अनुसार 7 अगस्त को अपराध शाखा एवीटीएस भुपानी की टीम ने कुमारपाल निवासी बदरपुर दिल्ली को अवैध देसी कट्टा सहित खेडीपुल क्षेत्र से व बृजेश निवासी ईस्माईलपुर पल्ला फरीदाबाद को अवैध देसी कट्टा सहित नजदीक रेलवे पुल गांव नचोली से वहीं अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने यश निवासी पल्ला फरीदाबाद को अवैध देसी कट्टा सहित नया पल्ला



पुल फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार क्राईम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने रामचंद्र निवासी अलीगढ़ उत्तर प्रदेश को अवैध देसी कट्टा सहित सेक्टर-22 फरीदाबाद से वहीं सरजीत निवासी डबुआ फरीदाबाद को अवैध देसी कट्टा सहित एनआईटी-3 से गिरफ्तार किया है। सभी आरोपितों के विरुद्ध संबंधित थाना में शस्त्र अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

हरिभूमि न्यूज ►► फरीदाबाद

तिगांव थाना क्षेत्र के मंझावली गांव स्थित एक गुरुकुल में पढ़ने वाले 16 वर्षीय छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में सामने आया है कि छात्र 12वीं की परीक्षा में दोबारा फेल होने के बाद मानसिक तनाव में था। घटना की सूचना मिलते ही तिगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान राजस्थान के अलवर जिले के मुंडावर गांव निवासी 16 वर्षीय आशीष के रूप में हुई है। आशीष पिछले कई वर्षों से मंझावली गांव स्थित गुरुकुल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह

दो बार फेल होने पर रहता था तनाव में 12वीं कक्षा के छात्र ने गुरुकुल में लगाई फांसी

छठी कक्षा से इसी गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहा था। हाल ही में उसने गुरुकुल से 12वीं की परीक्षा दी थी, लेकिन अंग्रेजी विषय में फेल हो गया था। इसके बाद उसने कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए आवेदन किया और

दोबारा परीक्षा दी, लेकिन दूसरी बार भी आवश्यक अंक नहीं मिलने के कारण वह पास नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि दोबारा परीक्षा में असफल होने के बाद आशीष काफी परेशान रहने लगा था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त दिलशाद पुत्र: इकबाल, निवास: भू-तल परिसर, पिल्लर नं. 122, श्याम विहार, गली नं. 2, डब्लॉक, नजफगढ़, नई दिल्ली ने **Ct. Cases 1400/2024 U/s 135 I.E. Act., थाना: छवला, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त दिलशाद मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त दिलशाद फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ct. Cases 1400/2024 U/s 135 I.E. Act., थाना: छवला, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त दिलशाद से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
हरलीन सिंह

DP/11013/DW/2026
(Court Notice)

एसएज (स्पेशल कोर्ट इलक्ट्रॉनिकी)
कोर्ट नं. 609, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी (1) हमर उर्फ अमर पुत्र: संजय, पता: आई-2, अरुणा नगर, मजनु का टीला सिविल लाइंस, दिल्ली (2) पवन कुमार पुत्र: खुशी राम, पता: गली नंबर 11, ए-ब्लॉक गढ़ी मेड, खजुरी, दिल्ली **FIR No. 181/2026, U/S: 309(4), 317(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, थाना: स्वरूप नगर, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है), और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त (1) हमर उर्फ अमर, (2) पवन कुमार, मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त (1) हमर उर्फ अमर, (2) पवन कुमार, फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त (1) हमर उर्फ अमर, (2) पवन कुमार, **FIR No. 181/2026, U/S: 309(4), 317(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, थाना: स्वरूप नगर, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.09.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
साहिल गुप्ता

DP/10511/ON/2026
(Court Matter)

न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-07
उत्तर कोर्ट नंबर 6, भू-तल रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

एनआईटी की बिजली सामान की दुकान से कॉपर तार चोरी करने वाला एक और आरोपी धराया

हरिभूमि न्यूज ►► फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने एनआईटी फरीदाबाद स्थित बिजली के सामान की दुकान से कॉपर की तार चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अयुब निवासी जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के करीब 9 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-8 निवासी विनय ने थाना कोतवाली में शिकायत दी थी कि उसकी एनआईटी फरीदाबाद में



बिजली के सामान की दुकान है। शिकायत के अनुसार 9 फरवरी 2026 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने दुकान से कॉपर की तार चोरी कर ली थी। शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली में संबंधित धाराओं के तहत जांच के दौरान क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी अयुब को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर 9 फरवरी की रात दुकान के शटर का ताला लोहे की रॉड से तोड़ा

और दुकान के अंदर रखी कॉपर की तार चोरी कर ली। पुलिस के अनुसार आरोपी और उसके साथी वारात को अंजाम देने के लिए अपने साथ एक गाड़ी लेकर आए थे। चोरी की गई कॉपर की तार को गाड़ी में डालकर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने बताया कि मामले में पुलिस द्वारा अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपियों से वारात से संबंधित 70 हजार रुपए, चोरी में इस्तेमाल की गई गाड़ी तथा लोहे की रॉड बरामद की जा चुकी है।

वी-जॉन ने लॉन्च किया नया ट्विन ब्लेड रेजर

हरिभूमि न्यूज ►► गुरुग्राम

भारतीय ग्रूमिंग बाजार में किफायती उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच वी-जॉन ने अपना नया शेव प्रो ट्विन ब्लेड रेजर लॉन्च किया है। कंपनी का कहना है कि यह उत्पाद कम कीमत में बेहतर शेविंग अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। कंपनी के अनुसार, नया रेजर शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इसमें दो जापानी ब्लेड, एलेवेरा लुब्रिकेशन स्ट्रिप और बेहतर पकड़ के लिए एर्गोनोमिक हैंडल दिया गया है, जिससे शेविंग को अधिक आरामदायक बनाने का प्रयास किया गया है। वी-जॉन ग्रुप के जीएम (मार्केटिंग) आशुतोष चौधरी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण ग्रूमिंग केवल प्रीमियम उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उनका कहना है कि कंपनी का उद्देश्य ऐसे उत्पाद उपलब्ध कराना है, जो गुणवत्ता और किफायत के बीच संतुलन बनाते हुए अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें।

एससीएस मंडलोई ने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में वर्किंग वूमन हॉस्टल, स्पोर्ट्स पार्क एवं फ्लैटेड इंडस्ट्रीज परियोजनाओं का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

प्रदेश भर में शुक्रवार को एक साथ जन विश्वास अभियान के तहत मंत्रियों, अफसरों ने आम लोगों के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान किया। चार मंत्री अलग-अलग कारणों से कहीं नहीं जा पाए। चैतन्य काश्यप मुंबई में होने की वजह से, विजय शाह सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की वजह से, राज्य मंत्री राधा सिंह धार्मिक यात्रा के कारण और मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर अस्वस्थ होने की वजह से नहीं पहुंच पाए। इसी तरह छिंदवाड़ा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह तथा मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल कार्यक्रम में शामिल हुए। दमोह में तीन मंत्री इंंदर सिंह परमार, धर्मद्व लोधी तथा लखन पटेल अभियान में शामिल हुए। राजगढ़ में मंत्री गौतम टेटवाल व नारायण सिंह पंवार तथा इंंदौर में मंत्री केलारा विजयवागीय व तुलसी सिलावट पहुंचे, जबकि बाकी मंत्रियों के एक-एक जिलों में पहुंचने की खबर है।

एसीएस, पीएस व सचिवों ने भी तय जिलों में निरीक्षण कर समस्याओं का निदान किया

एसीएस मंडलोई मंडीदीप में समस्याएं जानी-

एसीएस नीरज मंडलोई औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में पहुंचकर समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने निदेशकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ श्रमिकों एवं कार्यरत महिलाओं के लिए बेहतर कार्य एवं आवासीय वातावरण सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसके साथ औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव मंडलोई ने शुक्रवार को मंडीदीप में विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।



प्रमुख सचिव डॉ. संजय गोयल।

प्रमुख सचिव ने बच्चों की देखी पढ़ाई, शिक्षकों से लिया सुझाव

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. संजय गोयल ने बच्चों के साथ बैठकर देखी पढ़ाई, शिक्षकों से संवाद कर शिक्षा की गुणवत्ता पर सुझाव दिए। उन्होंने निवाड़ी और टांकमगढ़ जिले के शासकीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण किया। कक्षाओं में जाकर बच्चों के बीच बैठकर पढ़ाई का अवलोकन किया। पाठ्य विषयों पर सवाल पूछे और शिक्षकों से संवाद कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान, स्वच्छता, मध्यान्ह भोजन, पुस्तक वितरण और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की।

संचालक खनिकर्म फ्रेंक ए. नोबल पहुंचे बालाघाट

जन विश्वास अभियान-2026 के तहत संचालक खनिकर्म फ्रेंक ए. नोबल ने अधिकारियों के साथ बालाघाट स्थित मांयल भरवेली सभागृह में मैगनीज आधारित उद्योगों के उद्यमियों से संवाद किया। इस दौरान बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित थे। उन्होंने बालाघाट जिले में खनिज मैगनीज उद्योग में नवीन संभावनाओं को देखते हुए खनिज आधारित उद्योगों में विभिन्न विषयों पर उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया।

प्रदेश के सभी निवासियों में को होना निरीक्षण

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों की व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। अभियान में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न नगरीय निकायों का प्रभार सौंप गया है, जो प्रत्येक शुक्रवार मैदानी भ्रमण कर नागरिक सेवाओं, शहरी अधिसंरचना, स्वच्छता, डिजिटल सेवाओं तथा विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। अभियान ने नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी शिकायतों का मौके पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। विशेष रूप से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं जन शिकायतों के निराकरण, लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत सेवाओं के समयबद्ध निराकरण, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा के लिये विशेष बीएलबीसी बैठकों के आयोजन पर जोर रहेगा। साथ ही पात्र हितवाहियों तक योजनाओं के लाभ की पहुंच सुनिश्चित करने और लक्षित प्रकरणों के त्वरित निपटान के लिए विशेष अभियान चलाए जाएगा।

किसानों का कल्याण ही हमारा लक्ष्य, किसानों से संवाद का उत्सव है बलराम कृषि महोत्सव

खेत में बोहनी से लेकर बाजार में दाम दिलाने तक किसानों के साथ खड़ी है सरकार : डॉ. मोहन

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार की मंशा है कि प्रदेश के हर किसान के खेत-खलिहान और उनके घरों में समृद्धि आए। किसानों का हर तरीके से कल्याण ही हमारा लक्ष्य है और इसके लिए हम सभी जरूरी प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चलाया जा रहा बलराम कृषि महोत्सव किसानों को खेती-किसानी की नई तकनीकों से जोड़कर उन्हें वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का एक व्यापक अभियान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को सीहोर जिले में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम का छिंदवाड़ा से वचुंअली जुड़कर यहां के किसानों से संवाद किया। सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें हरसंभव सहायता देने के लिए पूरी तरह सक्रियित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार इस किसान कल्याण वर्ष में किसान हितैषी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ हर किसान तक पहुंचा रही है। किसानों के खेतों में पानी, बिजली, खाद-बीज, कृषि यंत्र पहुंचाने के साथ उनके खातों में फसल बीमा, सम्मान निधि और ब्याज मुक्त ऋण की राशि पहुंचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने सीहोर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव से वचुंअली जुड़कर किसानों से किया संवाद



किसानों को फसल विविधिकरण को अपनाने के लिए प्रेरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने के साथ आधुनिक खेती, प्राकृतिक खेती और कृषि यंत्रों का विस्तार कर रही है। उन्होंने आय बढ़ाने के लिए किसानों को फसल विविधिकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन, मत्स्य पालन वर्तमान समय की मांग है, राज्य सरकार इन क्षेत्रों में हर संभव प्रोत्साहन दे रही है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए हमने दुग्ध समितियों का गठन किया

सोयाबीन उत्पादक किसानों की चिंता भावांतर भुगतान योजना से दूर की

सोयाबीन उत्पादक किसानों की चिंता भावांतर भुगतान योजना से दूर की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार श्रीअन्न (कोदो-कुटकी) की एमएसपी पर खरीदी हुई और किसानों को इसका बोनास भी मिला है। किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए पात्र किसानों से मुंग उपार्जन की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है। राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि किसानों के हित में अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं। अब यदि किसी किसान की जमीन सड़क, नहर या अन्य शासकीय परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की जाएगी, तो किसान को चार गुना मुआवजा मिलेगा।

छिंदवाड़ा को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में तेज होंगे प्रयास : मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि स्थानीय उद्यमियों के व्यापार और उद्योगों को प्रोत्साहन सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्थानीय निवेशकों से अपने उद्योगों के विस्तार की दीर्घकालिक योजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक क्षेत्रों में पानी, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा अधांसरचना विकास सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा जिले में रोजगारपरक उद्योगों, फूड पार्क, बहुफसली प्रसंस्करण इकाइयों, प्राकृतिक खेती तथा पशुपालन को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने छिंदवाड़ा को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में तेजी से प्रयास होंगे। डॉ यादव छिंदवाड़ा जिले में आयोजित उद्यमी और जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।



उद्यमियों के सुझावों पर विचार कर कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उद्यमियों से प्राप्त सभी उपयोगी सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले उद्यमियों ने जिले के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के एकीकरण, पीपीपी मॉडल पर ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, एकीकृत कर प्रणाली, प्लैटेड इंडस्ट्री, प्रोसेसिंग यूनिट तथा नदीन तकनीक के उपयोग संबंधी सुझाव दिए। डॉ यादव ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलीटेक्निक से प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार अथवा स्थायी रोजगार से जोड़ने के लिए उनका नियमित फॉलोअप किया जाए। उन्होंने स्टार्ट-अप के तहत स्थापित सीएनजी एवं बायो-नेचुरल प्लांट के उद्यमियों से संवाद कर इकाइयों के संचालन की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का छिंदवाड़ा में अधिकारी-कर्मचारियों ने किया अभिनंदन

सरकार के कामकाज को साकार रूप देने, सुशासन स्थापित करने में अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका है महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र सरकार भी गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों की पदेन्न्ति वर्षों से अटकी थी। हमारी सरकार ने कर्मचारियों को पदेन्न्ति का उनका अधिकार दिलवाया।

पदेन्न्ति के लिए सभी प्रक्रियाओं को समय से पूरा करते हुए वर्तमान वर्ष में शेष रह गए अधिकारी-कर्मचारियों की भी पदेन्न्ति सितंबर-अक्टूबर माह में कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को छिंदवाड़ा के एकडीडीआई ऑडिटोरियम में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यों को धातुल पर सफल बनाने और सुशासन स्थापित करने में राज्य के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्यमंत्री ने 8 नव नियुक्त शिक्षकों को सौंपे नियुक्ति पत्र



मुख्यमंत्री का सम्मान।

17 हजार पदों पर नई भर्ती के लिए सूचना जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में शासकीय पदों पर नई भर्तियों की शुरुआत कर दी है। पुलिस विभाग में ही 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। इसमें 1000 पद इन्ड्रवर्गे के भी शामिल हैं। स्कूल शिक्षकों के 10 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई है। उच्च शिक्षा विभाग में 7 हजार से अधिक व्याख्याताओं की भर्ती की गई है। मप्र व्यावसायिक शिक्षा मंडल ने विभिन्न विभागों में 17 हजार पदों पर नई भर्ती के लिए सूचना जारी की है। बीते द्वाई साल में एक लाख पदों पर भर्ती की जा चुकी है। अब 2 लाख नई भर्ती करने की प्रक्रिया जारी है।

छिंदवाड़ा से हो रही नई शुरुआत

सोपम ने कहा कि विकास और जनकल्याण के लिए राज्य सरकार दूरगामी विजन के साथ कार्य कर रही है। आज छिंदवाड़ा से एक नई शुरुआत की जा रही है। अब प्रत्येक शुक्रवार को किसी भी दफ्तर में कोई मीटिंग नहीं होगी। सभी अधिकारी जनता के बीच मौजूद रहकर मैदानी स्तर पर शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे। जन विश्वास अभियान में आम नागरिकों की बेहतरी और उन्हें सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मैदानी स्तर पर आने वाली कठिनाइयों का समाधान किया जाएगा।

शादी करने का बनाया अनुचित दबाव, आरोपी गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर दोस्ती पड़ी महंगी

आरोपी ने फोटो-वीडियो किए वायरल



हरिभूमि न्यूज़ ►► बिलासपुर

सोशल मीडिया पर हुई एक दोस्ती कब परेशानी में बदल जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। ऐसे ही एक मामला छत्तीसगढ़ के तखतपुर थाना क्षेत्र से सामने आया है। इंटरग्राम के जरिए बलोदाबाजार जिले के एक युवक से युवती की दोस्ती हुई। बातचीत बढ़ी तो दोनों के बीच व्हाट्सएप पर भी संपर्क होने लगा। इसी दौरान युवक ने कथित तौर पर युवती के निजी फोटो और वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद कहानी ने नया मोड़ ले लिया। आरोप है कि युवक इन्हीं फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर युवती पर शादी करने का दबाव बनाने लगा। युवती ने जब उसकी बात मानने से इनकार किया तो युवक ने कथित तौर पर निजी फोटो और वीडियो वायरल कर दी।

युवती ने पूरा मामला परिजनो को बताया

आरोप है कि युवक युवती को लगातार निजी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देता था और शादी के लिए दबाव बना रहा था। युवती ने जब शादी करने से साफ इनकार कर दिया तो मामला और गंभीर हो गया। युवती के मुताबिक, आरोपी ने धमकी के बाद उसके निजी फोटो और वीडियो वायरल कर दी। इसके बाद युवती ने हिम्मत जुटाकर पूरे मामले को जानकारी अपने परिजनो को दी और तत्काल धुने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तखतपुर पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया और उसकी तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

केंद्र सरकार पंजाब मंडियों से 18 लाख टन पुराना स्टॉक उठाएगी

नई दिल्ली। धान के खरीद सीजन से पहले बड़ी राहत देते हुए केंद्र सरकार पंजाब की मंडियों में पड़े 18 लाख मीट्रिक टन (एल.एम.टी.) अनाज के पुराने स्टॉक को 20 सितंबर तक उठाने के लिए सहमत हो गई है, जिससे राज्य में धान की संचालित बंपर फसल के भंडारण के लिए आवश्यक जगह खाली हो जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दिल्ली में केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी और केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर पंजाब से संबंधित मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने धान की निर्बाध खरीद और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं और साथ ही कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने में कोई मुश्किल नहीं आएगी यह कहते हुए कि इस वर्ष पंजाब द्वारा 170 लाख मीट्रिक टन गुणवत्तापूर्ण चावल उपलब्ध करवाए जाने की उम्मीद है, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पर्याप्त भंडारण स्थान और उचित खरीद प्रबंध सुनिश्चित करना न केवल पंजाब के किसानों के लिए बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।खरीद विपणन सीजन (के.एस.एस.) 2025-26 के चावल की डिलीवरी के लिए आवश्यक भंडारण स्थान बनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, रकेंद्रीय खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी के साथ अपनी मुलाकात के दौरान मैंने पंजाब से 18 लाख मीट्रिक टन चावल तुरंत उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि खरीद विपणन सीजन 2025-26 के स्टॉक का चावल केंद्रीय पूल में पहुंचाने के लिए पहले उचित भंडारण स्थान बनाना बेहद जरूरी है। फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफ.सी.आई.) के पास जगह की लगातार कमी के बावजूद, हमारी राज्य खरीद एजेंसियों ने अब तक एफ.सी.आई. को 86 लाख मीट्रिक टन चावल सफलतापूर्वक उपलब्ध करवा दिया है।

दूरस्थ गांवों में मलेरिया संक्रमण के मामलों से स्वास्थ्य विभाग चिंतित

अंबिकापुर। एनएसगढ़ के पहाड़ी और दूरस्थ गांवों में मलेरिया संक्रमण के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ाई है। अब तक 39 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हुई है, हालांकि हालिया जांच में संक्रमण के मामलों में कमी सामने आई है। विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में घर-घर सर्वे और जांच कर रही हैं।सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के दूरस्थ और पहाड़ी इलाकों में मलेरिया संक्रमण के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और जांच अभियान तेज कर दिया है। क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में अब तक 39 लोगों में मलेरिया की पुष्टि हुई है। हालांकि, हालिया जांच में संक्रमण के मामलों में कमी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति निगरण में होने का दावा किया है।

लैलुंगा थाना क्षेत्र के छपरानी गांव के पास एक खेत में आरोपी ने दिया वारदात को अंजाम, 15 जुलाई की घटना

मां से रेप और 10 महीने की मासूम बेटी की हत्या का राज खुला, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायगढ़

जिले में दुष्कर्म और मर्डर के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक महिला और उसकी 10 महीने की बेटी के साथ बेरहमी से दुष्कर्म और मर्डर के आरोप में 65 साल के एक आदमी को गिरफ्तार किया है। यह घिनौना जुर्म 15 जुलाई को लैलुंगा पुलिस स्टेशन के तहत छपरानी गांव के एक दूर के खेत में हुआ था, लेकिन पुलिस ने कई हफ्तों की कड़ी जांच के बाद 6 अगस्त को आरोपी भिखारीराम नागवंशी को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, रायगढ़ पुलिस ने कथित आरोपी पर संदिग्ध चोट के निशानों को ट्रैक करके और फोरेंसिक सबूतों को जोड़कर इस मुश्किल मामले को सुलझाया, जिससे नागवंशी को गिरफ्तार किया गया, जिसने कबूल किया कि जब मां ने उसके हमले का विरोध किया तो उसने पीड़ित पर हमला किया था।



रायगढ़ के एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि 35 साल की विक्टिम, जो कथित तौर पर मेटल हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रही थी, अपनी छोटी बेटी के साथ खेत में रहती थीं। उन्होंने कहा कि महिला के कजिन ने 16 जुलाई को लैलुंगा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जब वह गंभीर रूप से घायल मिली और उसकी बेटी मौके पर मरी हुई थी। किसी मारी चीज से हमला होने के बाद महिला के सिर और चेहरे पर उसका गला घोट दिया और चेहरे पर इंट से तब तक वार किया जब तक वह बेहोश नहीं हो गई, जिसके बाद उसने उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा कि जब बच्ची रोने लगी, तो आरोपी ने कथित तौर पर उसका गला घोट दिया और ईंट से वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद, नागवंशी खेतों के रास्ते अपने किकने पर भाग गया और खुन से सनी अपनी धोती बदल ली। उसके खुलासे के दौरान ही गई जानकारी के आधार पर, पुलिस ने बाद में दागदार कपड़ा बरामद कर लिया।

सिर और चेहरे पर वार, बेहोश होने पर किया रेप

पुलिस के मुताबिक, आरोपी 15 जुलाई की रात को पीड़िता के घर में घुसा और उसे अपनी बेटी के कमल में सोते हुए पाया। जब उसने उसके रेप की कोशिश का विरोध किया, तो उसने उसके सिर और चेहरे पर इंट से तब तक वार किया जब तक वह बेहोश नहीं हो गई, जिसके बाद उसने उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा कि जब बच्ची रोने लगी, तो आरोपी ने कथित तौर पर उसका गला घोट दिया और ईंट से वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद, नागवंशी खेतों के रास्ते अपने किकने पर भाग गया और खुन से सनी अपनी धोती बदल ली। उसके खुलासे के दौरान ही गई जानकारी के आधार पर, पुलिस ने बाद में दागदार कपड़ा बरामद कर लिया।

आज डिजिटल क्रांति के दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत मयानक है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए? सवाल ये भी उठता है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म क्या लोकतंत्र के लिए जरूरी है या ये अपना खास एजेंडा लेकर काम करते हैं? कई देशों ने 16 साल तक के बच्चों के अकाउंट बनाने पर रोक लगाई हुई है। ऐसे में क्या हमारे देश में भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए? अगर इन प्लेटफार्म पर शिकंजा कसा जाए तो क्या अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होगी? सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सशक्त पहलू



विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताकत अर्थहीन हो जाती है। अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।

आज डिजिटल क्रांति के इस दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। लेकिन इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत मयानक है। इसका प्रभाव केवल आम आदमी पर ही नहीं, बल्कि सीधे राष्ट्रों की संप्रभुता और लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर पड़ रहा है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए?

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत पहलू होता है। जनमत की शक्ति यानी वोट और विचार से ही सरकार का चुनाव, नीति निर्माण और समाज की दिशा तय होती है। जन सामान्य की यह शक्ति अपने तर्कों, विवेक और वैचारिकता से वास्तविकता का धरातल तैयार करती है। किंतु यही जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताक़त अर्थहीन हो जाती है।

अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।

एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी

इस खेल में सोशल मीडिया पर क्या ट्रेंड करेगा, कौन सा विचार लाखों लोगों तक पहुंचेगा और किसे दबा दिया जाएगा, यह तय करने वाले एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी हैं। ये कंपनियां अपने व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे कंटेंट को बढ़ावा देती हैं जो सनसनीखेज हों, धुवीकरण को बढ़ावा दे या समाज में नफ़रत फैलाएं, क्योंकि जितना अधिक विवाद होगा, यूजर का उतना ही अधिक समय उस प्लेटफॉर्म पर बीतेगा और उतना ही मुनाफा कंपनियों को होगा। जब एक विदेशी कंपनी का कोड यह तय करने लगे कि किसी देश के नागरिक क्या सोचें और किस पर बहस करें तो यह वैचारिक गुलामी का एक नया और खतरनाक रूप है। हमारे नागरिक क्या पसंद करते हैं, किस राजनीतिक दल के प्रति उनका झुकाव है, उनकी धार्मिक और सामाजिक मान्यताएं क्या हैं, इन सबका सूझा डेटा विदेशी सर्वर पर स्टोर किया जाता है। इस डेटा का उपयोग करके अत्यंत सटीक मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल तैयार किए जाते हैं और फिर चुनिंदा विज्ञापनों तथा प्रोपेगेंडा के माध्यम से जनता की सोच को धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से मोड़ा जाता है।



स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक

नागरिकों का व्यक्तिगत और सामूहिक डेटा देश के भीतर ही सुरक्षित रहना चाहिए और विदेशी ताकतों को नागरिकों के डेटा का व्यावसायिक या राजनीतिक दुरुपयोग करने की अनुमति किसी भी कीमत पर नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ-साथ स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक है, क्योंकि जब तक हम तकनीक के लिए पूरी तरह बाहरी ताकतों पर निर्भर रहेंगे, तब तक पूर्ण स्वतंत्रता की कल्पना करना बेमानी होगा। संक्षेप में कहें तो जनमत किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक अंतरात्मा की जीवंत आवाज होती है। यदि उस आवाज को कोड, एल्गोरिदम की गूंज और विदेशी निर्माणों के व्यावसायिक हितों के जरिए कृत्रिम रूप से बदल दिया गया तो हमारी संस्कृति और लोकतंत्र केवल कागज़ों पर सुरक्षित इतिहास हो जाएंगे। अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा के लिए वैचारिक और तकनीकी रूप से एकजुट हो तथा यह सुनिश्चित करें कि हमारा विवेक और भविष्य विदेशी नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त रहे।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप

जब विदेशी कंपनियां या उनके मंच पर सक्रिय छिपे हुए हितधारक फेक न्यूज़, बोट अकाउंट्स और लक्षित धुंधाचार अभियानों के जरिए चुनावों के परिणामों को बदल सकते हैं तो यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला है। यदि कोई बाहरी कंपनी धन, तकनीक या एल्गोरिदम के बल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करती है तो वह लोकतंत्र की मूल भावना के साथ सीधा विश्वासघात है। यह सोशल मीडिया के माध्यम से यह विदेशी कंपनियां हमारी संस्कृति, जीवनशैली, भाषा और आर्थिक प्राथमिकताओं को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रही हैं। विदेशी मंचों पर चलने वाले ट्रेंड्स और नैरेटिव्स धीरे-धीरे स्थानीय संस्कृति और लोक-मूल्यों को हाशिए पर धकेलने का कार्य करते हैं। जो कंपनियां स्थानीय कर कानूनों का पालन करने से कतराती हैं या खुद को देश के कानूनों से ऊपर समझकर मनमाने नियम थोपती हैं, उन्हें किसी भी रूप में नागरिकों के वैचारिक परिदृश्य को नियंत्रित करने की खुली छूट नहीं दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल संप्रभुता दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाते हैं।

विदेशी कंपनियों पर नकेल कसें

इस गंभीर सवाल को उठाने के पीछे यह अभिप्राय बिल्कुल नहीं कि हम सूचना के प्रवाह को पूरी तरह बंद कर दें या वैश्वीकरण के इस दौर में आधुनिक डिजिटल युग से कट जाएं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ज्ञान के प्रसार, विज्ञान के विकास और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अद्भुत और शक्तिशाली साधन हैं। परंतु स्वतंत्रता और अनियंत्रित एकाधिकार में एक बहुत बड़ा अंतर होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि कोई विदेशी निगम अपने व्यावसायिक फायदों के लिए देश के लोकतंत्र को खोखला करता रहे और हम देखते रहें। लोकतंत्र की रक्षा के लिए सरकार को इन विदेशी कंपनियों पर कड़ी नकेल करनी होगी। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि देश की सीमा के भीतर काम करने वाला हर डिजिटल मंच यहां के संविधान, कानूनों और सांस्कृतिक संवेदनाओं का पूर्ण और ईमानदारी से सम्मान करे। इसके साथ ही सोशल मीडिया कंपनियों को इस बात के लिए बाध्य किया जाना चाहिए कि वे पूरी पारदर्शिता बरतें और यह स्पष्ट करें कि उनके एल्गोरिदम किस प्रकार काम करते हैं तथा वे किसी विशेष कंटेंट को क्यों प्राथमिकता देते हैं।

सोशल मीडिया मंचों का नियमन जरूरी



व्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली में बीस जुलाई को काकोरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को समालोचक के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। इसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्युनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जागत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की

सत्ता पर काबिज हुई। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है,

ज्यादा तबज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है।

जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका एल्गोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। संसदीय



सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन को ज्यादा तबज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है।

उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सूरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को

समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकोरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं।

वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं, जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो डिजिटल मीडिया



मंथन

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने को लेकर बहस तेज होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया की लत को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी है। इतना ही नहीं, मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने बच्चों का पढ़ाई, खेलकूद और परिवार के साथ बिताया जाने वाला समय काफी कम कर दिया है। कई बच्चे घंटों रील और गेम में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसी वजह से कई देश बच्चों की सोशल मीडिया पहुंच को सीमित करने के लिए नए कानूनों और नियमों पर काम कर रहे हैं।

हाल ही में मलेशिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू कर चुका है। इंडोनेशिया ने भी यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके अलावा फ्रांस, स्पेन, तुर्की, ग्रीस, डेनमार्क और नॉर्वे भी बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर नए नियमों पर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि 2019 में कोविड महामारी के दौरान बच्चों और किशोरों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के इस्तेमाल में भारी बदलाव आए। कई लोग इस बात से चिंतित हैं कि बच्चे ज़रूरत से ज्यादा समय ऑनलाइन बिता रहे हैं, जिससे उनके मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा है। लगभग बीस साल पहले माईस्पेस और ओकुट, मिक्सट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की लोकप्रिय थे। तब से अब तक सोशल मीडिया में बड़ा बदलाव आ चुका है। 2006 में फेसबुक के आते ही वह ऑनलाइन गतिविधियों का एक प्रमुख जरिया बन गया। इसके बाद ट्विटर या एक्स आया, फिर 2010 में तस्वीरो पर

आधारित ऐप इंस्टाग्राम और 2011 में स्नैपचैट बाजार में आ गए। आज सोशल मीडिया की पहुंच और स्तर असंमित हो गई है। बच्चे ऐसे लोगों और सामग्री के संपर्क में आने लगे हैं, जिनकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। इसलिए बच्चों के लिए सोशल मीडिया से खतरा बहुत बढ़ गया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2016 में इंटरनेट की उपलब्धता को मानवाधिकार घोषित कर दिया था और दुनियाभर के लोगों तक इंटरनेट की सुविधा पहुंचाने को अपने विकास से जुड़े लक्ष्यों में शामिल किया था। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने यह भी

के पास स्मार्टफोन हैं और 75 फीसदी से अधिक सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं। हालांकि सरकार ने हाल के वर्षों में डिजिटल सुरक्षा और डेटा संरक्षण से जुड़े कई नियम लागू किए हैं, लेकिन फिलहाल 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर कोई राष्ट्रीय स्तर का प्रतिबंध नहीं है। अगर भविष्य में भारत ऐसा कोई कदम उठाने का फैसला करता है, तो सरकार के सामने कई बड़ी चुनौतियां होंगी। भारत जैसे विशाल देश में बच्चों की सही उम्र का ऑनलाइन वेरिफिकेशन करना, यूजर्स की प्राइवसी को



यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों-किशोरों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए? क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों?

कहा है कि सोशल मीडिया की उपलब्धता से कई खतरे पैदा हो गए हैं। उसकी एक रिपोर्ट के अनुसार, तीस देशों में एक तिहाई बच्चों ने कहा है कि सोशल मीडिया पर उन्हें बुलिंग या मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा है और इनमें हर पांच में से एक बच्चे ने स्कूल जाना बंद कर दिया। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सरकारों को डिजिटल नीतियां बनाते समय बच्चों और किशोरों के लिए सोशल मीडिया से पैदा होने वाले खतरों को ध्यान में रखना चाहिए। भारत में करोड़ों बच्चों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। बता दें, देश में 14-16 साल के लगभग 90 फीसदी बच्चों

सुरक्षित रखना और करोड़ों इंटरनेट यूजर्स पर इस नियम को सख्ती से लागू करना बेहद जटिल काम होगा। यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए। क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों। जब दूसरे देश यह कर सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं। डिजिटल दुनिया से बच्चों को पूरी तरह दूर करना संभव नहीं है, लेकिन उन्हें बिना सुरक्षा के छोड़ देना भी एक तरह की लापरवाही है।



पुनीती

योगेश के सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के दिनों में मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया है कि यदि देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकर्ताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है? आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। इसका सरकारात्मक के साथ नकारात्मक प्रभाव भी है। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई, वह छात्रों और पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया। ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठना स्वाभाविक था। सोशल मीडिया की

सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या झूठकानू सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है। यहां यह भी समझना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना आपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरैक्शन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और लेस आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है। फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगों, पहचान की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। ऐसे घटनाएं पॉजिटिव की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर भी लगातार काम करना होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकर्ताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं। इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादस्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में धुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। मेटा को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था, अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम की पारदर्शिता और शिकायत निवारण व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। मेटा या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित करने जैसी कठोर मांगों से पहले उसकी नीतियों, तकनीकी व्यवस्था और कंटेंट मॉडरेशन की स्वतंत्र तथा पारदर्शी समीक्षा जरूरी है। यदि कमियां सामने आती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिरकार सवाल केवल एक वीडियो के हटने का नहीं है। सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं।

महिला आरक्षण बिल पर नहीं थम रही रार, राहुल और रिजिजू में वार



एजेंसी ►► नई दिल्ली

महिला आरक्षण बिल को लेकर राहुल गांधी और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। राहुल गांधी के पलटवार के बाद अब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें नियम-कानून बताए हैं।

खबर संक्षेप

पैसा बोलता है, साफ होते हैं मछ: खरगे

हल्द्वानी। रामलीला मैदान में कांग्रेस की विजय शंखनाद रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा, केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। खरगे ने रोजगार, सरकारी भर्तियों, पेपर लीक, शिक्षा, कानून व्यवस्था, महंगाई, धार्मिक आस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया और कहा, वहां सभी साफ हो रहे।



साइबर ठगों ने बुजुर्ग से ठगे 8 लाख रुपए

गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल कौड़िया चौकी अंतर्गत विशुनपुर निवासी लालमन साहनी

साइबर ठगी के शिकार हो गए। ठगों ने वीडियो कॉल से खुद को उद्योगपति मुकेश अंबानी बताया और कंपनी में 10 लाख निवेश करने पर 40 करोड़ वापसाका झांसा दिया। ठगों ने अमिताभ बच्चन का नाम लिया।

अभिषेक ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज को विदेश जाने की अनुमति नहीं देने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने याचिका यह कहते हुए खारिज की थी कि वे एसएसकेएम अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के सामने अपनी मेडिकल स्थिति की जांच कराने के लिए तैयार नहीं थे।

बेंगलुरु में 5 स्टार होटलों में छापेमारी

बेंगलुरु। कर्नाटक फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की टीम ने बेंगलुरु के 6 बड़े-बड़े 5-स्टार होटलों में छापेमारी की। यहां फूड सुरक्षा नियमों के उल्लंघन हुआ। यहां एक्स्पायरी डेट के बाद भी खाने की चीजें रखी मिली। विभाग ने 250 किलो मीट, 207 किलो सब्जियाँ, 32 लीटर दूध, 3 किलो बेकरी प्रोडक्ट्स को नष्ट किया।

‘हमारी सड़क’ ऐप पर प्राप्त शिकायतों का तुरंत हो समाधान, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनो ने कहा है कि सड़कों की गुणवत्ता और निर्माण कार्य की गति में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही न होने दी जाए। मुख्यमंत्री शनिवार चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में 10 प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्ष 2025-26 के रोड वर्क्स (सड़क निर्माण कार्यों) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में पीडब्ल्यूडी, एचएसएमवी, पंचायत विभाग, एचएमडीए, जीएमडीए, एसएमडीए, पीएमडीए, एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी व यूएलबीए के अधिकारियों ने शिरकत की।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया पर गिनाए नियम, परिसीमन विधेयक 2026 के तहत इसे लागू करने का तरीका प्रस्तावित किया और इसकी जरूरत बताई

राहुल गांधी को यह पता है कि संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) में लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

यह तब लागू जब परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाए

- 2023 के बाद प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों के आधार पर। इसका मतलब है 2026 के बाद प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों।
- साल 2026 के बाद जनगणना के आंकड़े जारी करने की प्रक्रिया अभी चल रही है। इन्हें अंतिम रूप से जारी होने में काफी समय लग सकता है (जाति-आधारित जनगणना के कारण)। महिला आरक्षण लागू करने में काफी देरी हो सकती है, और कम से कम 2034 के आम चुनावों से पहले तो ऐसा नहीं हो पाएगा।
- इसलिए, 2029 में होने वाले अगले आम चुनावों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए, हाल ही में प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों के आधार पर जल्द से जल्द परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने की जरूरत है।
- लोकसभा में पेश कपरिसीमन विधेयक 2026 के तहत इसे लागू करने का तरीका प्रस्तावित किया गया है।

महिला आरक्षण विधेयक 3 साल बाद भी लागू क्यों नहीं हुआ: राहुल



संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते रिजिजू से बेहतर यह कौन जानता होगा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, कांग्रेस के पूर्ण समर्थन के साथ। लेकिन सवाल यह है कि तीन साल बाद भी वह लागू क्यों नहीं हुआ और अब आप उसे परिसीमन से बेवजह क्यों जोड़ना चाहते हैं? 2023 का कानून लागू कीजिए वो भी बिना किसी शर्त के।

पीएम मोदी से मिलेंगे शरद गुट के सभी 8 सांसद

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदगुट) के सभी 8 सांसद सोमवार को प्रधानमंत्री से मिलेंगे। सांसद सुप्रिया सुले ने यह जानकारी दी। सुले ने साफ किया कि हम सभी आठ सांसद महाराष्ट्र से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे।

प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस, सीखने वाला ही सदा आगे बढ़ेगा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने डिग्री पाने वाले छात्रों को बधाई दी और उनसे देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में 587 पीएचडी शोधार्थियों समेत 3,000 से अधिक छात्रों को डिग्री दी गई। छात्रों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व है। जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। लगातार सीखने वाला ही आगे बढ़ेगा। छात्राओं के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कुछ बेटियां मेधावी छात्राएं होतीं, तो स्थिति और भी बेहतर होती। इस समय छात्र अपने भविष्य को लेकर कई चीजों के बारे में सोच रहे होंगे। इनमें करियर, वेतन, नए शहर में जाना और अपना स्टार्टअप बातें शामिल हो सकती हैं। पीएम मोदी ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में ‘परम प्रज्ञा’ नाम की एआई आधारित हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग सुविधा का ऑनलाइन उद्घाटन भी किया। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, एडवांस कंप्यूटिंग आदि हैं।



प्रधानमंत्री मोदी को आईआईटी दिल्ली की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया

शानदार प्रदर्शन करने वालों को पदकों से नवाजा

प्रधानमंत्री ने शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को आईआईटी दिल्ली के प्रतिष्ठित शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए। इनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, निदेशक स्वर्ण पदक, शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक और परफेक्ट टेन स्वर्ण पदक शामिल हैं।

भले ही रास्ते, सपने अलग हों लेकिन एक भावना समान होनी चाहिए

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर किसी का अपना अलग रास्ता और सपने होते हैं, लेकिन एक भावना तो सभी में समान होनी चाहिए - आईआईटी दिल्ली में अपना पहला दिन और आज का दिन। ओरिएंटेशन से लेकर दीक्षांत समारोह तक की अपनी यात्रा से आप सभी संतुष्ट महसूस कर रहे होंगे।

दोस्तों और शिक्षकों के योगदान को याद रखें

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें आईआईटी दिल्ली में पढ़ाई के दौरान साथ देने वाले दोस्तों, शिक्षकों और कर्मचारियों को हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये लोग उनके सफर का अहम हिस्सा रहे हैं और भविष्य में जब छात्र पीछे मुड़कर देखेंगे, तो उन्हें कैपस के साथ-साथ इन लोगों की भी याद आएगी।

प्रयागराज में ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम में बोले नेता प्रतिपक्ष राहुल

दर्द, डेटा और दौलत की बात की, यूथ को सर्वोपरि बताया

एजेंसी ►► प्रयागराज

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम का संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि यूथ के सामने कोई कुछ नहीं है। मैं दर्द, डेटा और दौलत की बात करूंगा। युवाओं ने देश को रास्ता दिखाया है। युवाओं ने डर का सामना किया और डर को बाहर किया। राहुल ने इसे छात्रों की गूंज के कैप्शन के साथ पोस्ट किया है। राहुल ने कहा कि भाजपा वोट चोरी करवाती है। हर संस्था में आरएसएस प्रचारक बिठाए गए। भारत में रोजगार के सारे दरवाजे बंद हैं। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान के पास युवा है और सबसे अधिक डेटा युवाओं के पास है, आपके डेटा के बिना एआई का कोई मतलब नहीं।



हिंदुस्तान में रोजगार के सारे रास्ते बंद

1000 युवाओं में सिर्फ 12 को नौकरी

राहुल ने कहा कि एक ऐसा समय था जब इलाहाबाद देश का सबसे अच्छा यूनिवर्सिटी थी। आज मैं आपसे दर्द, डेटा और दौलत पर बात करने आया हूं। हिंदुस्तान में दुनिया का सबसे बड़ा यूथ पावर है। ये देश की स्ट्रेंथ है। अमेरिका, रूस और चीन की बात होती है। ईंडिया के यूथ के आगे ये सब कुछ नहीं है। देश में एक हजार युवाओं में से सिर्फ 12 को परमानेंट नौकरी मिलती है।

राहुल ने कहा कि समस्या ये है कि छात्र पढ़ाई करते हैं, पैसा खर्च करते हैं, लेकिन हिंदुस्तान में रोजगार के सारे रास्ते बंद किए हुए हैं। आज दुनिया में आपके मेड इन चाइना, मेड इन बांग्लादेश दिखेगा, लेकिन मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। इसकी वजह नोटबंदी और जीएसटी को लागू करना है।

सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, काम पूरा न करने वाले ठेकेदारों को कर दिया जाएगा ब्लैकलिस्ट: सीएम नायब



सड़कों के गड्ढों को तुरंत भरें

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने ‘हमारी सड़क’ मोबाइल ऐप की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस ऐप पर आमजन द्वारा दर्ज कराई जाने वाली सड़कों के गड्ढों व क्षति से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों के गड्ढों को तुरंत भरा जाए और किए गए मरम्मत कार्य की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से ऐप पर अपलोड की जाए। शिकायतों के निस्तारण या रिपोर्ट में किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है, तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सभी सड़कों की मैपिंग सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी सड़कों की मैपिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रत्येक सड़क की स्थिति और रखरखाव का सटीक रिकॉर्ड उपलब्ध रहे। निर्माण कार्यों में देरी करने वाले ठेकेदारों पर कड़ा रुख

अपनाते हुए नायब सिंह सेनो ने कहा कि जो ठेकेदार तय समय पर काम पूरा नहीं करेंगे उन पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो गुणवत्ता मानकों की अनदेखी करेंगे उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी और उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेलवे से प्रभावित या लंबित सभी सड़क परियोजनाओं को एक विस्तृत सूची तैयार करें। इसी के आधार पर रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं का त्वरित समाधान निकाला जाए, ताकि रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) और अंडरब्रिज के निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरे हो सकें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता

अमेरिकी बिल पर विपक्ष ने कहा

यह सरकार की विदेश नीति की नाकामी

भारत समेत कई देशों पर 100 फीसदी टैरिफ का प्रावधान करने वाले अमेरिकी विधेयक पर विपक्षी दलों ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने इसे नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश और आर्थिक नीतिक की नाकामी करार दिया। विपक्षी पार्टी के नेता पवन खेड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सरकार पर निशाना साधा।

शर्तें थोपता है अमेरिका: खेड़ा

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध वाले विधेयक को मंजूरी मिलने पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि क्या भारत सच में स्वतंत्र है? जो भी आता है, भारत को शर्तें थोपता है। वह कहता है कि आप यहां से तेल खरीद सकते हैं, इतना तेल खरीद सकते हैं और वहां से तेल नहीं खरीद सकते।

विजय को लगा बड़ा झटका

परिसीमन पर बुलाई बैठक से 37 सांसद गायब रहे

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलपति द्वारा परिसीमनपर बुलाई गई सर्वदलीय सांसदों की बैठक से विपक्षी दल समेत कई पार्टियों ने दूरी बना ली है। 57 सांसदों में से 37 गायब रहे। इस बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है, जिसे बड़ा झटका माना जा रहा है। इससे तरह-तरह की बातें सामने आने लगीं, लेकिन बाद में खबर आई कि बैठक के अंत में सभी ने एक सुर में परिसीमन बिल के खिलाफ सहमति जताई।



सुखबीर बादल के नेतृत्व में हुई बैठक

शिरोमणि अकाली दल ने की महिला आरक्षण बिल को तत्काल लागू करने की मांग

50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ निष्पक्ष परिसीमन पर जोर

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली



शिरोमणि अकाली दल ने महिला आरक्षण बिल को तत्काल लागू करने की मांग की है। जिसके पीछे सिख गुरुओं की शिक्षाएं और एसजीपीसी की आरक्षण व्यवस्था का हवाला दिया गया है। पार्टी ने सभी राज्यों की सीटों में समान 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ निष्पक्ष परिसीमन की भी मांग की है, इन दोनों मुद्दों को बिना देरी के पूरा करने पर जोर दिया। सुखबीर बादल के नेतृत्व में शिरोमणि अकाली दल ने शनिवार को अपने वरिष्ठ नेताओं की बैठक में महिला आरक्षण बिल को तुरंत लागू करने की मांग की। बैठक के बाद शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शिरोमणि अकाली दल को सिख गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा मिलती है, जिन्होंने महिलाओं के सम्मान,

समानता और समान अधिकारों की वकालत की थी। उन्होंने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अपनी सभा में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था करके पहले ही एक मिसाल कायम की है। बादल ने कहा कि संसद के सामने अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा के बाद, शिरोमणि अकाली दल ने एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण परिसीमन की भी मांग की, जिससे सभी राज्यों को समान प्रतिनिधित्व मिल सके। उन्होंने लिखा कि शिरोमणि अकाली दल ने उस प्रस्ताव का समर्थन किया जिसे भारत सरकार ने सदन में सभी राज्यों की सीटों में एक समान 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के लिए पेश किया था। बादल ने पोस्ट में कहा कि पार्टी ने जोर दिया कि महिलाओं के लिए आरक्षण और परिसीमन का काम तुरंत किया जाना चाहिए।

झारखंड में परीक्षाओं में अनियमितता

दूसरे दौर की वार्ता भी बेनतीजा छात्र अभी सड़कों पर डटे हुए

एजेंसी ►► रांची

झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के बीच शनिवार को दूसरे दौर की बातचीत

बेनतीजा रही। छात्रों का कहना है कि वे भूख हड़ताल वापस लेने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष इन मुद्दों के उठाने का इंतजार करेंगे। न्याय मंच का 8 सदस्यीय दल गेस्ट हाउस पहुंचा। इस बैठक में कई अतिरिक्त मांगें भी रखीं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी प्रदीप कुमार, पुत्र: श्री शिव शंकर, पता: 54 ग्राउंड फ्लोर, 26 घोषी घाट, काले खान, मीर दर्द रोड, मिंटो रोड, दिल्ली FIR No. 49/2023, U/S: 379/411 IPC, थाना: बाराखंबा रोड, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त प्रदीप कुमार, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त प्रदीप कुमार, फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त प्रदीप कुमार, FIR No. 49/2023, U/S: 379/411 IPC, थाना: बाराखंबा रोड, दिल्ली, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 11.09.2026 को या उससे पहले हाजिर हो। आदेशानुसार विजयश्री रांवीर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05 कोर्ट नंबर 13, प्रथम तल, मुख्य भवन पटियाला हाउस कोर्ट, दिल्ली DP/11055/NDD/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी मुकेश उर्फ अब्बू, पुत्र: श्री. बाबू, शाह पता: एल-1106, मंगोलपुरी, दिल्ली FIR No. 416/2013, U/S: 392/411/34 IPC, थाना: पश्चिम विहार ईस्ट, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मुकेश उर्फ अब्बू, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मुकेश उर्फ अब्बू, फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त मुकेश उर्फ अब्बू, FIR No. 416/2013, U/S: 392/411/34 IPC, थाना: पश्चिम विहार ईस्ट, दिल्ली, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 16.09.2026 को या उससे पहले हाजिर हो। आदेशानुसार मोक्षा बैस न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-II वेस्ट कोर्ट नंबर 31 तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली DP/10415/OD/2026 (Court Matter)

बाजार डगमगाए तो निवेश नहीं, रणनीति को बदलें

- 10 हजार की मासिक एसआईपी से बनाएं संतुलित पोर्टफोलियो
- गिरावट में घबराकर बेचने के बजाय किस्तों में बढ़ाएं निवेश
- इक्विटी के साथ डेट और गोल्ड का संतुलन रखना भी जरूरी

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब तेजी होती है तो निवेशक ज्यादा कमाने की उम्मीद में पैसा बढ़ा देते हैं और गिरावट आते ही नुकसान के डर से निवेश रोकने या शेयर बेचने लगते हैं। यही गलती लंबे समय में रिटर्न पर सबसे ज्यादा असर डालती है। बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन निवेशक की रणनीति उसके वित्तीय लक्ष्य, समय अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के हिसाब से तय होनी चाहिए। ऐसे दौर में सबसे जरूरी है कि बाजार की हर हलचल पर फैसला लेने के बजाय एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाया जाए और निवेश को अनुशासन के साथ जारी रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी अवधि के निवेशक के लिए बाजार की हर गिरावट खतरा नहीं होती। कई बार यही गिरावट अच्छी कंपनियों और इक्विटी फंड में अपेक्षाकृत बेहतर कीमत पर निवेश का मौका भी देती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे पूरी रकम लगा दी जाए। चरणबद्ध निवेश, एसआईपी और सही एसेट एलोकेशन इस समय ज्यादा उपयोगी रणनीति हो सकती है।



ऐसे बनाएं पोर्टफोलियो

मान लीजिए किसी निवेशक के पास हर महीने 10,000 रुपये निवेश करने की क्षमता है और उसका लक्ष्य कम से कम 7-10 साल का है। वह अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार राशि को अलग-अलग हिस्सों में बांट सकता है।

मध्यम जोखिम वालों के लिए उदाहरण

- 15,000 इक्विटी/फ्लेक्सी-कैप फंड में
- 2,000 लार्ज एंड मिडकैप या इंडेक्स फंड में
- 2,000 डेट/हाइब्रिड फंड में
- 1,000 गोल्ड आधारित निवेश में
- यह केवल उदाहरण है। वास्तविक आवंटन निवेशक की उम्र, आय, मौजूदा निवेश, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर अलग हो सकता है।

गिरावट आए तो एसआईपी बंद न करें

बाजार में गिरावट आते ही एसआईपी बंद करना आम निवेशक की बड़ी गलती हो सकती है। एसआईपी का फायदा ही यह है कि बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश होता रहता है। बाजार

बाजार गिरने पर ये 5 काम न करें

- 1. घबराकर सारे शेयर न बेचें : लंबी अवधि के निवेश को छोटी अवधि की गिरावट के आधार पर खत्म न करें।
- 2. एसआईपी बंद न करें : सिर्फ बाजार गिरने के कारण नियमित निवेश रोकना जरूरी नहीं।
- 3. कर्ज लेकर निवेश न करें : शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं है, लेकिन कर्ज की लागत निश्चित होती है।
- 4. सोशल मीडिया की टिप पर पैसा न लगाएं : किसी शेयर या फंड में निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी लें।
- 5. एक ही फंड पर निर्भर न रहें : जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार पोर्टफोलियो में विविधता रखें।

नौचे आने पर उसी राशि में ज्यादा यूनिट मिल सकती है और बाजार ऊपर जाने पर उनका मूल्य बढ़ सकता है। हालांकि, जिस पैसे की जरूरत अगले एक-दो साल में पड़नी है, उसे केवल इक्विटी में लगाना उचित नहीं माना जाता। बच्चों की फीस, घर खरीदने की डाउन पेमेंट या किसी अन्य नजदीकी लक्ष्य के लिए अलग सुरक्षित फंड रखना चाहिए।

पूरा पोर्टफोलियो एक ही एसेट में न लगाएं

सिर्फ शेयर बाजार में निवेश करने से तेजी के दौर में रिटर्न आकर्षक दिखाई दे सकता है, लेकिन बड़ी गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित हो सकता है। दूसरी तरफ, सिर्फ सुरक्षित साधनों में पैसा रखने से लंबी अवधि में महंगाई को मात देना मुश्किल हो सकता है। इसलिए इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे अलग-अलग एसेट में संतुलन बनाना जरूरी है। यही कारण है कि मध्यम जोखिम वाले निवेशक हाइब्रिड फंड और मल्टी-एसेट फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इसमें अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करके पोर्टफोलियो में विविधता लाने की कोशिश की जाती है।

बाजार महंगा लगे तो क्या करें

जब बाजार लगातार ऊपर जा रहा हो तो एकमुश्त बड़ी रकम

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

किस लक्ष्य के लिए कितना जोखिम

- 1-3 साल : इक्विटी में सीमित निवेश, सुरक्षित और कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्पों को प्राथमिकता।
- 3-5 साल : हाइब्रिड और डेट के साथ सीमित इक्विटी पर विचार।
- 7-10 साल: जोखिम क्षमता के अनुसार इक्विटी का हिस्सा बढ़ाया जा सकता है।
- 10 साल से ज्यादा : लंबी अवधि के लक्ष्य में इक्विटी आधारित निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखना जरूरी है।

समय दें, समय न साधों

शेयर बाजार में कब तेजी आएगी और कब गिरावट, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन निवेशक यह जरूर तय कर सकता है कि वह कितना जोखिम ले सकता है, कितने समय के लिए निवेश करेगा और गिरावट आने पर क्या रणनीति अपनाएगा। इसलिए बाजार की चाल पकड़ने के बजाय समय की निवेश में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। नियमित एसआईपी, विविध पोर्टफोलियो और समय-समय पर समीक्षा लंबे समय में निवेश को मजबूत आधार दे सकती है।

लगाने से बचना समझदारी हो सकती है। नियमित एसआईपी जारी रखना और अतिरिक्त रकम को चरणबद्ध तरीके से लगाना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। वहीं, बाजार में अच्छी-खासी गिरावट आने पर मजबूत कंपनियों या उपयुक्त इक्विटी फंड में अतिरिक्त निवेश का अवसर मिल सकता है, लेकिन गिरावट कितनी होगी और बाजार कब नीचे आएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। इसलिए 'सही समय का इंतजार करने के बजाय चरणबद्ध निवेश ज्यादा व्यावहारिक रणनीति हो सकती है।

कमाई का इंजन बन सकती है इक्विटी

इक्विटी में उतार-चढ़ाव सबसे ज्यादा होता है, लेकिन लंबी अवधि में पुंजी बढ़ाने की क्षमता भी अधिक हो सकती है। इसलिए 7-10 साल या उससे अधिक का लक्ष्य रखने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी को जगह दे सकते हैं। हालांकि, फंड चुनते समय केवल पिछले एक साल का रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। फंड का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड, खर्च, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर की रणनीति और निवेशक की जोखिम क्षमता जैसे पहलुओं को देखना जरूरी है।

होम लोन की प्रीपेमेंट करें या निवेश? जानिये क्या है आपके लिए बेहतर

बिजनेस डेस्क

जानकारी

अपना घर खरीदने के लिए लिया गया होम लोन ज्यादातर लोगों की जिंदगी का सबसे बड़ा और लंबी अवधि वाला कर्ज होता है। 15, 20 या 25 साल की अवधि में चुकाए जाने वाले इस लोन में ब्याज की रकम भी काफी बड़ी हो सकती है। ऐसे में जब बोनस, प्रियर, निवेश से पैसा या कोई अन्य अतिरिक्त रकम हाथ में आती है तो लोगों के सामने बड़ा सवाल होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल होम लोन की प्रीपेमेंट में किया जाए या उसे निवेश कर भविष्य के लिए संपत्ति बनाई जाए। लोन की प्रीपेमेंट करने से ब्याज का बोझ कम होता है और कर्ज जल्दी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर, सही निवेश लंबे समय में रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसलिए, हर व्यक्ति के लिए एक ही विकल्प सही नहीं हो सकता। फैसला लेते समय तीन महत्वपूर्ण बातों को समझना जरूरी है।

होम लोन के शुरुआती सालों में प्रीपेमेंट का फायदा ज्यादा

होम लोन की ईएमआई दो हिस्सों में बंटी होती है- मूलधन और ब्याज। लोन की शुरुआत में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि मूलधन अपेक्षाकृत कम घटता है। जैसे-जैसे लोन की अवधि आगे बढ़ती है, ब्याज का हिस्सा कम और मूलधन का हिस्सा बढ़ता जाता है। यही वजह है कि अगर आपके पास लोन लेने के शुरुआती वर्षों में अतिरिक्त पैसा आता है तो प्रीपेमेंट करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। मान लीजिए आपने 20 साल के लिए होम लोन लिया है और पांचवें साल में आपके पास एकमुश्त रकम आती है। अगर आप उसका कुछ हिस्सा मूलधन में जमा कर देते हैं तो बकया लोन घट जाएगा। इसके बाद लगने वाला ब्याज भी कम हो जाएगा। प्रीपेमेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि आपको भविष्य में बचने वाले ब्याज का फायदा लगभग निश्चित रूप से मिलता है। यानी अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8 फीसदी है तो मूलधन कम करने पर भविष्य के 8 फीसदी के आसपास के ब्याज खर्च से बचने का प्रभाव मिलता है, हालांकि वास्तविक बचत लोन की संरचना और समय पर निर्भर करेगी।

निवेश के संभावित रिटर्न की तुलना लोन की ब्याज दर से करें

कई लोग मानते हैं कि अगर निवेश से होम लोन की ब्याज दर से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है तो प्रीपेमेंट करने के बजाय निवेश करना बेहतर है। यह सोच कुछ परिस्थितियों में सही हो सकती है, लेकिन इसे सीधे-सीधे लागू नहीं किया जा



सकता। होम लोन की ब्याज दर आपको निश्चित लागत है, जबकि निवेश का रिटर्न निश्चित नहीं होता। उदाहरण के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना रहती है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता है। किसी एक साल या छोटी अवधि में रिटर्न कम भी हो सकता है। इसलिए निवेश और प्रीपेमेंट के बीच फैसला करते समय सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

इमरजेंसी फंड के बिना प्रीपेमेंट न करें

अतिरिक्त पैसा आते ही होम लोन में जमा कर

देना हमेशा समझदारी नहीं है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि आपके पास पर्याप्त इमरजेंसी फंड है या नहीं। अचानक नौकरी जाने, स्वास्थ्य संबंधी खर्च, परिवार की जरूरत या किसी अन्य आपात स्थिति में नकदी की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपने अपनी पूरी अतिरिक्त बचत होम लोन में डाल दी और बाद में अचानक पैसे की जरूरत पड़ गई तो आपको महंगे पर्याप्त लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ सकता है। इसलिए पहले कम से कम 6 से 12 महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड तैयार रखना बेहतर है। इसके बाद बची रकम को प्रीपेमेंट और निवेश के बीच बांटने पर विचार किया जा सकता है।

कितना पैसा प्रीपेमेंट में लगाएं?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 5 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। अगर उसका होम लोन

शुरुआती दौर में है और ब्याज दर ज्यादा है, तो वह रकम का बड़ा हिस्सा प्रीपेमेंट में लगाने पर विचार कर सकता है। लेकिन अगर लोन काफी पुराना है, इमरजेंसी फंड तैयार है और निवेश की अवधि लंबी है तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्पों में लगाई जा सकती है। एक तीसरा रास्ता भी है पैसे को पूरी तरह एक ही जगह लगाने के बजाय बांट देना। उदाहरण के लिए 5 लाख रुपये में से कुछ रकम होम लोन की प्रीपेमेंट में और बाकी रकम लंबी अवधि के निवेश में लगाई जा सकती है। इससे कर्ज का बोझ भी घटेगा और भविष्य के लिए निवेश भी बना रहेगा।

फैसला आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर

होम लोन की प्रीपेमेंट और निवेश में से कौन सा विकल्प बेहतर है, इसका कोई सार्वभौमिक जवाब नहीं है। अगर लोन नया है, ब्याज का बोझ ज्यादा है और आप कर्ज जल्दी खत्म करना चाहते हैं तो प्रीपेमेंट को प्राथमिकता दी जा सकती है। अगर लोन के अंतिम वर्षों में है, पर्याप्त इमरजेंसी फंड मौजूद है और आपकी निवेश अवधि लंबी है तो निवेश पर विचार किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फैसला लेने से पहले लोन की ब्याज दर, बची हुई अवधि, प्रीपेमेंट के बाद ब्याज बचत, निवेश का जोखिम, संभावित रिटर्न और अपनी नकदी जरूरत का आकलन करें। मावलाओं के बजाय आंकड़ों के आधार पर लिया गया फैसला आपकी कुल वित्तीय स्थिति के लिए ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।



पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने से घट सकता है सिबिल

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

कई लोगों के पास समय के साथ एक से ज्यादा बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड हो जाते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल लंबे समय से नहीं किया जा रहा होता है। ऐसे में अतिरिक्त खाते या कार्ड बंद करना स्वाभाविक फैसला लगता है। लेकिन अगर आप पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने जा रहे हैं तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका आपके सिबिल स्कोर और भविष्य में लोन लेने की क्षमता पर क्या असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। क्योंकि ये खाते सामान्य तौर पर क्रेडिट ब्यूरो की क्रेडिट रिपोर्ट का हिस्सा नहीं होते। वहीं, पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करने से आपके क्रेडिट प्रोफाइल में बदलाव आ सकता है। इसका असर हर व्यक्ति पर अलग हो सकता है और यह उसके कुल क्रेडिट इतिहास, बकया राशि और उपलब्ध क्रेडिट लिमिट पर निर्भर करता है।

- पुराना कार्ड बंद करने पर क्रेडिट हिस्ट्री व क्रेडिट यूटिलाइजेशन पर असर
- सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल पर सीधा प्रभाव नहीं

से आमतौर पर सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन यहां एक सावधानी जरूरी है। अगर इसी खाते से किसी लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल या दूसरी नियमित भुगतान व्यवस्था जुड़ी है और खाता बंद कर दिया गया तो भुगतान छूट सकता है। एक ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में देरी आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बैंक खाता बंद करने से पहले सभी ऑटो-डेबिट, ईएमआई और स्टैंडिंग इन्स्ट्रक्शनों को नए सेविंग खाते में ट्रांसफर करना जरूरी है।

कितने क्रेडिट कार्ड रखना सही?

क्रेडिट कार्ड की कोई निश्चित संख्या ऐसी नहीं है, जिसे हर व्यक्ति के लिए आदर्श माना जाए। असली बात यह है कि व्यक्ति अपने कार्डों को कितनी जिम्मेदारी से संभालता है। चार-पांच कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी अच्छे क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रख सकता है, अगर वह समय पर पूरा भुगतान करता है और अपनी क्रेडिट लिमिट का नियंत्रित इस्तेमाल करता है। वहीं कम कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी खराब स्कोर बना सकता है, अगर भुगतान में लगातार देरी होती है। इसलिए कार्डों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है समय पर भुगतान, कम क्रेडिट उपयोग और लंबे समय तक जिम्मेदार क्रेडिट व्यवहार।

सबसे पुराना कार्ड बंद करने से बचें

क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में भुगतान का रिकॉर्ड, क्रेडिट यूटिलाइजेशन, क्रेडिट हिस्ट्री की अवधि, क्रेडिट मिक्स और हाल की क्रेडिट पूंजीछां शामिल हैं। लंबे समय से सही तरीके से संचालित क्रेडिट अकाउंट आपके क्रेडिट व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड उपलब्ध कराते हैं। इसलिए अगर कोई क्रेडिट कार्ड कई वर्षों से चल रहा है और उस पर समय पर भुगतान होता रहा है, तो उसे सिर्फ इसलिए बंद करना उचित नहीं हो सकता कि उसका इस्तेमाल कम हो रहा है। खासकर ऐसा कार्ड जिस पर वार्षिक शुल्क नहीं है, उसे सीमित और जिम्मेदार इस्तेमाल के साथ सक्रिय रखना क्रेडिट हिस्ट्री बनाए रखने में मदद कर सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुराना कार्ड हमेशा बनाए रखना जरूरी है। अगर कार्ड पर ज्यादा वार्षिक शुल्क है, उसकी जरूरत नहीं है या उसे संभालना मुश्किल हो रहा है तो बंद करने का फैसला किया जा सकता है। बस इससे पहले इसके संभावित प्रभाव को समझ लेना चाहिए।

बैंक खाता बंद करने से सिबिल पर सीधा असर नहीं

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

कार्ड बंद करने से पहले करें ये काम

- 1. सभी बकया चुकाएं : कार्ड बंद करने से पहले कोई बकया राशि या शुल्क लंबित न रहने दें।
- 2. सबसे पुराने कार्ड को सुरत बंद न करें : पहले देखें कि वह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री में कितना योगदान दे रहा है।
- 3. क्रेडिट लिमिट का हिसाब लगाएं : कार्ड बंद करने के बाद आपकी कुल उपलब्ध लिमिट कितनी बचेगी, यह जरूर देखें।
- 4. ऑटो पेमेंट बंद करें : बैंक खाता बंद करने से पहले ईएमआई और क्रेडिट कार्ड के ऑटो-डेबिट को दूसरे खाते से जोड़ें।
- 5. क्लोजर की पुष्टि लें : कार्ड बंद होने के बाद बैंक से क्लोजर की पुष्टि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

यह भी रखें ध्यान

पुराना कार्ड बंद करना सिबिल स्कोर निश्चित रूप से कम होना नहीं है। अगर आपके पूरे क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करता है। वहीं सामान्य सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बढ़ा अंतर स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला विशेषज्ञ बोले- एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाए 3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

सुझाव

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय केवल सही कैटेगरी चुन लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक ही कैटेगरी में शामिल अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है। पिछले एक साल के प्रदर्शन से यह अंतर और स्पष्ट हुआ है। फ्लेक्सी-कैप और स्मॉल-कैप जैसी कैटेगरी में कुछ फंडों ने जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया, वहीं कुछ स्कीमों का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक को केवल कैटेगरी या पिछले एक साल के रिटर्न के आधार पर फंड का चुनाव नहीं करना चाहिए। फंड मैनेजर की गुणवत्ता, रिसर्च टीम और अलग-

अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन को भी देखना जरूरी है। पलेक्सी-कैप में भी दिखा बड़ा अंतर

फ्लेक्सी-कैप फंडों के प्रदर्शन में पिछले एक साल में उल्लेखनीय अंतर रहा। इस कैटेगरी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम ने करीब 12.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम का रिटर्न करीब 5.75 प्रतिशत निगेटिव रहा। यानी एक ही कैटेगरी के दो फंडों के बीच प्रदर्शन का अंतर काफी बड़ा रहा। इससे साफ है कि केवल यह तय कर लेना कि निवेशक को फ्लेक्सी-कैप फंड में पैसा लगाना है, पर्याप्त नहीं है। उसी कैटेगरी में कौन-सी स्कीम निवेश के लिए बेहतर है, इसका मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



स्मॉल-कैप में और ज्यादा अंतर

स्मॉल-कैप कैटेगरी में यह अंतर और अधिक देखने को मिला। ट्रस्ट स्मॉल कैप फंड ने पिछले एक साल में करीब 27.39 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि टाटा स्मॉल कैप फंड का रिटर्न करीब 5.08 प्रतिशत निगेटिव रहा। दोनों एक ही कैटेगरी के फंड हैं, लेकिन प्रदर्शन में करीब 32 प्रतिशत अंक का अंतर दिखाई दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह का अंतर बताता है कि फंड की कैटेगरी के साथ-साथ उसके पोर्टफोलियो में शामिल कंपनियों,

सेक्टर आवंटन और फंड मैनेजर की रणनीति का प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है।

सही शेयर और सेक्टर चुनने वाले फंडों को फायदा

वेलथ मैनेजर्स के मुताबिक पिछले एक साल में शेयर बाजार के सभी सेक्टरों ने एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया। निज फंड मैनेजर्स ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और सेक्टरों की पहचान कर अपने पोर्टफोलियो में उनका उचित वजन रखा, उन्हें फायदा मिला। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला के मुताबिक पिछले एक

साल में बाजार ने ऐसे फंड मैनेजर्स को पुरस्कृत किया, जिन्होंने सही शेयरों का चुनाव किया। उनके अनुसार डिफेंस, डेटा सेंटर, प्रीमियम कंजमप्शन और सेविंग्स के फाइनैशियलइजेशन से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने वाले पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला। इसके विपरीत प्रॉपर्टी बैंक और पारंपरिक आईटी कंपनियों में अधिक निवेश रखने वाले कुछ पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहे। इसका कारण इन सेक्टरों का बाजार में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा।

केवल पिछले रिटर्न के आधार पर न करें निवेश

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को किसी फंड का चुनाव करते समय केवल पिछले एक या दो साल के रिटर्न की आधार नहीं बनाना चाहिए। किसी एक अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड जरूरी नहीं कि आने वाले वर्षों में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करे। निवेशक को यह समझना चाहिए कि फंड मैनेजर किस तरह की निवेश

रणनीति अपनाता है। इसके साथ ही अलग-अलग मार्केट साइकिल में फंड का प्रदर्शन कैसा रहा है, पोर्टफोलियो किस तरह तैयार किया गया है और उसमें जोखिम का स्तर कितना है, इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए।

रिसर्च टीम और पोर्टफोलियो पर दें ध्यान

फंड चुनते समय निवेशकों को फंड हाउस की रिसर्च क्षमता और टीम की मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। फंड की निवेश प्रक्रिया कितनी व्यवस्थित है और रिसर्च टीम कंपनियों का किस स्तर पर विश्लेषण करती है, यह लंबे समय में फंड के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि फंड का पोर्टफोलियो उसके अपने वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ ज्यादा जोखिम भी हो सकता है। इसलिए केवल रिटर्न के आंकड़े देखकर निवेश करना उचित नहीं माना जाता।

प्रदर्शन का अंतर

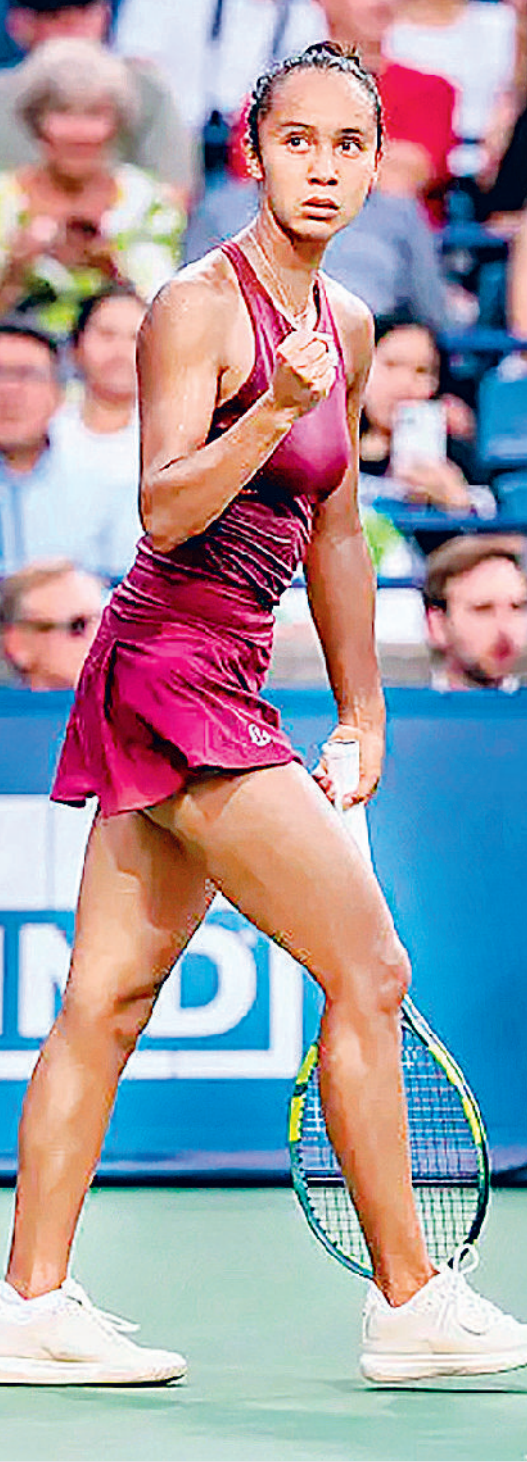
कुछ म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना ​​है कि एक साल में अलग-अलग नकीमों के प्रदर्शन में दिखाई देने वाला बड़ा अंतर लंबी अवधि में धीरे-धीरे कम हो सकता है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेक्टर और कंपनियां अव्वल प्रदर्शन करती हैं। ऐसे में किसी एक अवधि का प्रदर्शन के सटीक फाइनैशियल प्लानर के अनुसार फंड मैनेजर की निवेश रणनीति का पूरा और सभ्य के साथ दिखाई देता है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

3 से 5 साल का नजरिया जरूरी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। खासकर इक्विटी आधारित फंडों में बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों का असर पड़ता है। किसी एक साल में कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम जरूरी नहीं कि लंबी अवधि में भी खराब प्रदर्शन करे। इसलिए निवेशक को बार-बार फंड बदलने के बजाय उसके प्रदर्शन की निरंतरता, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और फंड मैनेजर की रणनीति की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए।

फर्नांडीज का शानदार प्रदर्शन, तोड़ा हार का सिलसिला, अंतिम 16 में एंट्री

कैनेडियन ओपन : लैला ने पांचवीं वरियता प्राप्त मीरा आंद्रीवा को दी मात



एजेंसी ►► नॉट्रिंदल

यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लैला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया। फर्नांडीज ने पांचवीं वरियता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी।

मेरे लिए सबसे जरूरी था

सकारात्मक रहना : फर्नांडीज
फर्नांडीज ने कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से प्वाइंट नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटती रहूँ, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूँ और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूँ। फर्नांडीज ने कहा, मैं खुद से कह रही थी कि बस गेंद को वापस कोर्ट में डालना है। मैंने लगातार अच्छा खेलने और एक के बाद एक शॉट लगाने की काफी प्रैक्टिस की है, और ऐसी रैलियां खेलने की कोशिश की है जिनमें हममें से कोई भी गलती न करे। मैं हमेशा इसी सोच पर वापस आती हूँ। मुझे पता है कि मैं ऐसा कर सकती हूँ।

आंद्रीवा के खिलाफ

आसानी से बढ़त बनाई

फर्नांडीज ने खराब फॉर्म से जूझ रही आंद्रीवा के खिलाफ 6-1, 5-1 तक आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन फिर 20 साल की आंद्रीवा ने वापसी की और आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। हालांकि 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और 30वीं सैंड फर्नांडीज ने तीन प्वाइंट बाद जीत पक्की कर ली।



फर्नांडीज ने लगाए 8 विनर्स, किए 7 एरर

मैच के आकड़े बाएं हाथ की खिलाड़ी की रणनीति के हिसाब से रहे। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में 34 अनफोर्स्ड एरर (बिना दबाव के गलतियां) किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज का खेल सधा हुआ था। उन्होंने आठ विनर्स लगाए और सात अनफोर्स्ड एरर किए।

अभ्यास मैच : श्रीलंका इलेवन ने पहली पारी 363 रन बनाकर की पारी घोषित

पडिक्कल के शतक से भारत का पलटवार, पंत-जायसवाल पल्लाप

एजेंसी ►► कोलंबो

टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे पर होने वाले अभ्यास मैच के पहले दिन भारतीय गेंदबाज, जहां बैकफुट पर नजर आए, वहीं दूसरे दिन बड़े-बड़े बैटर्स तो नहीं चले, लेकिन देवदत्त पडिक्कल का बल्ला जरूर गरजा। भारत के लिए इंजर्ड रहने वाले शुभमन गिल बैटिंग करने नहीं आए तो साई सुदर्शन भी इंजरी के चलते बैटिंग नहीं कर सके। जबकि जायसवाल, पंत और जुरेल कुछ खास नहीं कर सके। हालांकि, साई की जगह नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने शतकीय (142 रन) पारी खेली, जिससे भारत ने तीन दिवसीय मैच के दूसरे दिन के अंत तक 8 विकेट पर 357 रन बनाए और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहले दिन पहली पारी में 363 रन बनाए थे। अब ये अभ्यास मैच डाँ की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है और तीसरे दिन भारतीय गेंदबाज फिर से अपना जलवा दिखाना चाहेंगे।



पडिक्कल ने खेली शानदार पारी

पहले दिन श्रीलंका ने 8आठ विकेट पर 363 रन बनाए और इसके बाद दूसरे दिन फिर श्रीलंका ने पारी घोषित कर दी, जिसके चलते श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहली पारी में 363 रन ही बनाए। इसके बाद भारत के लिए ओपनिंग करने आए यशस्वी जायसवाल कुछ खास नहीं कर सके और सिर्फ दो गेंद में शून्य पर चलते बने। जायसवाल के बाद हालांकि केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। तमी राहुल 67 गेंद में 5 चौके और एक छक्के से 40 रन बनाकर चलते बने।

भारत को झटका, सुदर्शन हुए श्रीलंका दौरे से बाहर

श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले शनिवार को भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज साई सुदर्शन पैर के अंगुठे में लगी चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए। साई को स्क्वाड में चुना गया था, लेकिन साथ में जानकारी दी गई थी कि फिट होने पर ही वह खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। साई सुदर्शन चोट के कारण भारतीय टीम के साथ श्रीलंका नहीं गए थे। बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे। साई को भारत ए के श्रीलंका दौरे पर चोट लगी थी। सुदर्शन ने दो टेस्ट मैचों में दो शतक जड़े थे। श्रीलंका ए के खिलाफ दूसरे मैच में उन्हें चोट लगी थी। साई सुदर्शन से पहले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल का चोटिल होना भी चिंता का विषय है। भारतीय कप्तान द्याए जाय की रिंग फिंगर में चोट के कारण श्रीलंका इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच में पहले दिन फील्डिंग के लिए नहीं उतरे। दूसरे दिन वह बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

जडेजा और गुरनूर ने भी खेले हाथ

96 पर भारत का दूसरा विकेट गिरा तो रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और पडिक्कल ने भी जमकर शॉट्स लगाए। साई सुदर्शन के इजर्ज होने पर नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने 121 गेंद में 14 चौके से 103 रन की शतकीय पारी खेली और बाकी बल्लेबाजों को मौका देने के चलते रेटायर्ड आउट होकर मैदान से बाहर चले गए। जबकि जडेजा भी 63 रन बनाकर बिना आउट हुए मैदान से बाहर चले गए थे। इसके बाद लेकिन ऋषभ पंत (2), ध्रुव जुरेल (1) कुछ खास नहीं कर सके, तो मानव सुथार ने 41 रन की पारी खेली। भारत के एक समय 256 पर 8 विकेट गिर गए थे, तो फिर से पडिक्कल मैदान में आ गए और उन्होंने 103 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। इसके बाद अंत में गुरनूर बरार बैटिंग करने आए और उन्होंने दिन के आखिरी ओवर में लगातार चार छक्के उड़ा दिए जिससे भारत ने दूसरे दिन के अंत तक आठ विकेट पर 357 रन बनाए और 18 गेंद में 36 रन बनाकर बरार, तो 142 रन बनाकर पडिक्कल नाबाद रहे। इस तरह टीम इंडिया दूसरे दिन के अंत तक श्रीलंका क्रिकेट इलेवन से पहली पारी के आधार पर सिर्फ छह रन ही पीछे रही। अब नौ अगस्त को अंतिम दिन का खेल खेला जाएगा।

खबर संक्षेप



डेविस कप : दक्षिण कोरिया से क्वालीफायर खेलेगा भारत

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया 18 और 19 सितंबर को भारत के खिलाफ डेविस कप दूसरे दौर के क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। भारत इस समय डेविस कप रैंकिंग में 19वें और कोरिया 16वें स्थान पर है। कोरिया का भारत के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 6-5 का है। भारतीय टीम का चयन 10 अगस्त को किया जाएगा। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला एक दशक पहले हुआ था जब भारत ने चंडीगढ़ में एशिया ओशियाना ग्रुप एक के मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की थी। दूसरे दौर में विजयी रहने वाली टीम नवंबर में होने वाले अंतिम आठ मुकाबले में जगह बनाएगी।

1 करोड़ हुई लदाख

मैराथन की पुरस्कार राशि

लेह। लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि 1 करोड़ रुपए कर दी गई है। आयोजकों ने यह घोषणा की। लद्दाख मैराथन 10 से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएगी और इसमें लगभग 10000 धावकों के भाग लेने की संभावना है। आयोजकों ने कहा, 'इस वर्ष इस प्रतियोगिता में भारत के 28 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों के धावक भाग लेंगे। इसके अलावा दुनिया भर के धावक भी इसमें अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।'

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

अष्मिता ने फाइनल में बनाई जगह

कोरिया मास्टर्स : सेमीफाइनल में हमवतन रक्षिता को हराया

एजेंसी ►► आसन

अष्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21-13, 16-21, 21-13 से हराकर पहली बार बोडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

तीन महीने चोट के कारण कोर्ट से बाहर रही

26 वर्ष की चालिहा मकाउ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। क्वार्टर फाइनल में दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी जापान की हिना अकेची को हराकर वह सेमीफाइनल में पहुंची थी।

रक्षिता ने क्वार्टर फाइनल में तन्वी शर्मा को हराया था। विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा अब खिताब के लिए चीन की हान कियान शी से भिड़ेंगी।



विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप: पूजा सिंह ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

भालाफेंक में यादव ने खोला खाता, जीता रजत पदक

एजेंसी ►► यूजीन

आशीष यादव ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में पुरुषों के भालाफेंक में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला जबकि राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। यादव ने तीसरे दौर में 74.09 मीटर का श्रो फेंककर रजत पदक हासिल किया। वहीं भारत के टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के श्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। यादव अपने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन से 40 सेमी पीछे रह गए। उन्होंने मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन श्रो प्रतियस्पर्धा में 74.49 मीटर का श्रो फेंका था।



चोपड़ा के बाद पदक जीतने वाले बने दूसरे भारतीय

19 वर्ष के यादव दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए। चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में 86.48 मीटर के विश्व जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। यह रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हैमैंस ने 80.50 मीटर के श्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं डॉमिनिका के एडिसन जेम्स को कांस्य पदक मिला, जिन्होंने 73.89 मीटर का श्रो फेंका था।

फिलंटाफ ने छोड़ा इंग्लैंड

लायंस के कोच का पद

लंदन। पूर्व हरफनमौला एंड्रयू फिलंटाफ ने इंग्लैंड लायंस के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। फिलंटाफ ने सितंबर 2024 में यह पद संभाला था। उन्होंने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के जारी बयान में कहा, 'मैंने लायंस के साथ अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा, 'मैंने देश के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने का पूरा मजा लिया और उन्हें आगे बढ़ते देखने में गर्व महसूस किया।' फिलंटाफ अब बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स टीम के मुख्य कोच होंगे।



राशिद ने चटकाए 6 विकेट, अफगान की बड़ी जीत



बीडी। जिस दिन वनडे क्रिकेट के 5000वें मैच की चर्चा हो रही थी, उसी दिन इस फॉर्मेट का 4999वां मैच भी खेला गया। सिर्फ कुछ निमटों के अंतर के कारण दोनों मुकाबलों की ऐतिहासिक अहमियत में अंतर आ गया। अगर मुकाबले की बात करें तो 4999वां मैच भी खास साबित हुआ क्योंकि अफगानिस्तान ने इस मैच में आयरलैंड को उसके ही घर में 92 रन से हरा दिया। इस जीत के हीरो रहे अफगानिस्तान के सबसे बड़े स्टार राशिद खान, जिन्होंने 9 साल के लंबे इंतजार के बाद एक पारी में 6 विकेट झटक लिए।

पूजा ने लगाई 1.79 मीटर की लंबी कूद

महिलाओं की ऊंची कूद में पूजा ने 1.79 मीटर के साथ फाइनल में जगह बनाई। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1.79 मीटर की बाधा पार करने वाले को फाइनल में जगह मिली। पुरुषों की लंबी कूद में शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने फाइनल में जगह बना ली। शाहनवाज क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7.79 मीटर की कूद के साथ चौथे और कुल पांचवें स्थान पर रहे जबकि जितिन 7.57 मीटर की कूद लगाकर 12वें स्थान पर रहे। महिलाओं की भालाफेंक स्पर्धा में पुनम अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल 13वें स्थान के साथ फाइनल में जगह नहीं बना सकी।



मुकाबले के साथ ही वनडे क्रिकेट ने 5000 मैच का पड़ाव छू लिया। अब इस मौके पर विश्व क्रिकेट की किन्हीं 2 बड़ी टीमों की टक्कर तो नहीं हुई लेकिन स्कॉटलैंड और कनाडा ने अपनी ओर से इस यादगार मुकाबले

को रोमांचक बनाने की पूरी कोशिश की और उसमें दोनों टीम सफल भी रहीं। बस सफलता स्कॉटलैंड के हाथ लगी।

फिनले मैक्करीथ ने टोका शतक

मैच की मेजबानी कर रही स्कॉटिश टीम ने पहले बैटिंग की और दूसरी ही गेंद पर टीम ने अपने अनुभवी बल्लेबाज जॉर्ज मंसी का विकेट गंवा दिया, जबकि 24 रन तक 2 विकेट गिर चुके थे। अगर इसके बावजूद स्कॉटलैंड ने 7 विकेट खोकर 281 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

एशिया कप में खेलना संदिग्ध

भारत को झटका, चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर हुई जेमिमा



एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की प्रमुख बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स सदरन ब्रेव तरफ से खेलते हुए मांसपेशियों में खिंचाव (हैमसट्रिंग) के कारण मौजूदा 'द हंड्रेड' क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं और उनका आगामी महिला टी20 एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है।

सदरन ब्रेव ने पुष्टि की कि टूर्नामेंट के शेष मैचों के लिए जेमिमा की जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चालीं नॉट को टीम में शामिल किया गया है। सदरन ब्रेव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हम पुष्टि करते हैं कि जेमिमा रोड्रिग्स के चोट के कारण 'द हंड्रेड'

से बाहर हो जाने के बाद बाकी बचे मैचों के लिए उनकी जगह चालीं नॉट को टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा आपके जल्द से जल्द फिट होने की कामना करते हैं।' 25 वर्षीय जेमिमा ने क्रिकेट की तरफ से छह पारियों में 35.75 के औसत और 131.19 के स्ट्राइक रेट से 143 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 42 रन रहा।

महिला टी20 एशिया कप 28 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें भारत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। जेमिमा के पास इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट तक फिट होने के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय है।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in

67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना

‘सच्ची सहेली’ आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी



सच्ची सहेली

खबर संक्षेप

समय से 20 दिन पहले रोकी गई अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर। समय से 20 दिन पहले ही अमरनाथ यात्रा रोक दी गई है। लगातार बारिश और लैंडस्लाइड के



चलते रास्ते खराब हो जाने की वजह से यह फैसला लिया गया है। अब केवल जो जत्थे में हैं, उन्हीं की यात्रा पूरी कराई जाएगी। नए जत्थों को नहीं भेजा जाएगा। अभी तक 4.8 लाख श्रद्धालु बाबा अमरनाथ की यात्रा कर चुके हैं। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में खराब मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते यह निर्णय लिया।

कनाडा से 3,323 भारतीयों को वापस भेजा

ओटावा। कनाडा ने 2026 के पहले छह महीनों में 3,323 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर भेजा है।



इसके साथ ही यह संख्या पिछले छह साल के सर्वाधिक आंकड़े को पार करने की ओर बढ़ रही है। कनाडा सीमा सेवा एजेंसी के अनुसार 2025 में पूरे साल में निकाले गए भारतीय नागरिकों की संख्या 3,779 थी जबकि इस साल के शुरुआती छह महीनों में ही 3,323 भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है। अब तक सबसे अधिक भारतीय वर्ष 2025 में निकाले गए थे।

सुंदर कटवाल ब्रिटेन के कम्युनिटी फंड बोर्ड में

लंदन। भारतीय मूल के लेखक और थिंक टैंक ‘ब्रिटिश पप्चर’ के संस्थापक सुंदर कटवाला को ब्रिटेन



के नेशनल लॉटरी कम्युनिटी फंड के बोर्ड में नियुक्त किया गया है। यह देश की प्रमुख वित्तपोषण संस्थाओं में से एक है, जो आकर्षक अनुदानों के जरिए सामुदायिक परियोजनाओं के लिए वित्तीय मदद करती है। कटवाला ने इस सप्ताह अपनी नई जिम्मेदारी संभाली है। ‘हाउ टू बी ए पैट्रियट’ के 52 वर्षीय लेखक चार साल के कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष डेम जूलिया के साथ मिलकर काम करेंगे।

दावा- खामेनेई की हालत गंभीर, अस्पताल में मर्ती

तेहरान। इजराइली मीडिया के मुताबिक ईरान के सुप्रीम लीडर



मुज्तबा खामेनेई की हालत बहुत गंभीर है और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया है। सरकार के आला स्टारों पर यह अफवाह तेजी से फैल रही है कि खामेनेई ‘बेहद गंभीर हालत’ में हैं। अगर हमें जल्द ही उनके शहीद होने की खबर मिले तो हमें हैरानी नहीं होगी।

नई दिल्ली पर 100% टैरिफ लगाने का अमेरिकी सांसदों ने किया विरोध

दोनों देशों की साझेदारी होगी प्रभावित रूस और चीन के करीब आएगा भारत

एजेसी नई दिल्ली

अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को एक ऐसे विधेयक को पारित कर दिया, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने के मामले में भारत, चीन और तीन अन्य देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। अब यह विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में जाएगा। प्रतिनिधि सभा की बैठक 31 अगस्त को दोबारा शुरू होने के बाद इस पर विचार किया जाएगा। कानून बनने के लिए इस बिल को प्रतिनिधि सभा से भी मंजूरी मिलना जरूरी है। इसके बाद इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी पर यह कानून बन जाएगा।

बिल राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। हालांकि, इस बिल को लेकर अब अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। बता दें, अमेरिकी संसद में शुक्रवार को जो विधेयक पेश किया गया, उसका नाम ट्रंप के पूर्व करीबी और दिवंगत रिपब्लिकन सांसद लिंडसे ओ ग्राहम के नाम पर रखा गया है, जो कि इस बिल के रचयिता भी थे। इसे लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्स ऑफ 2026 नाम से पेश किया गया। अमेरिकी सीनेट ने इसे बहुमत से पारित किया। इसके पक्ष में 86 वोट और विपक्ष में महज 11 वोट पड़े। लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026’ को भारी बहुमत से मंजूरी दी है।

भारत-अमेरिका संबंधों पर पड़ेगा नकारात्मक असर

अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति कमजोर हो जाएगी



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

यह कदम पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा: पॉल

ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि यह कदम अमेरिका के लिए अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने से भारत-अमेरिका संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इससे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिका अपने एक अहम रणनीतिक साझेदार को रूस और चीन के और करीब धकेल सकता है। भारत को दंडित करने की नीति आर्थिक नुकसान के साथ-साथ अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति को भी कमजोर कर सकती है।

अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ बढ़ेंगे तनाव: रॉन



वहीं, सीनेटर रॉन विडेन ने भी टैरिफ संबंधी प्रवधानों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम अमेरिका के आर्थिक और कूटनीतिक हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे महत्वपूर्ण सहयोगी देशों के साथ संबंधों में अनावश्यक तनाव भी बढ़ सकता है।

भारत-साइप्रस के बीच सुरक्षित और कानूनी आवाजाही पर जोर



नई दिल्ली। भारत और साइप्रस के बीच माइग्रेसन एवं मोबिलिटी एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति पर यहां चर्चा हुई। साइप्रस में भारत के उच्चायुक्त मनीष ने साइप्रस के माइग्रेसन एवं इंटरनेशनल प्रोटेक्शन के उप मंत्री निकोलस ए. आयोनाइड्स और स्थायी सचिव चारालाम्बोस रूसोस से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारतीय पेशेवरों और कामगारों के हितों की रक्षा के साथ सुरक्षित, कानूनी और कौशल आधारित आवाजाही को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने साइप्रस की अर्थव्यवस्था और समाज में भारतीय पेशेवरों तथा कामगारों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उच्चायुक्त ने कुछ भारतीय कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं के भी उठाया। भारत और साइप्रस के बीच सुरक्षित, आवाजाही को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने माना कि दोनों देशों के नागरिकों की आवाजाही के लिए स्पष्ट और भरोसेमंद व्यवस्था होना जरूरी है।

यह जानकारी संसद की रक्षा मामलों की समिति की एक रिपोर्ट से मिली है फ्रांस के साथ मिलकर होगा छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान का विकास, बातचीत जारी

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

वायुसेना के जंगी बेड़े में घटती जा रही लड़ाकू विमानों की संख्या और पांचवीं पीढ़ी के उन्नत मध्यम स्टेथल लड़ाकू विमान (एफ्का) परियोजना के विकास को तो छोड़ ही दीजिएक्योंकि अब भारत ने इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान का विकास करने के लिए के किसी और देश का साथ लिया है। बल्कि उसके साथ जुड़ने के लिए समन्वित प्रयासों के जरिए बातचीत भी कर रहा है। यह दूसरा ऐसा मौका है, जब भारत ने अत्याधुनिक लड़ाकू विमान विकास के लिए दुनिया के किसी और देश का साथ लिया है। पूर्व में वह पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एफजीएफए कार्यक्रम को लेकर रूस के साथ जुड़ गया था। दरअसल फ्रांस छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रम यानी प्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) का नेतृत्व कर रहा है। जिसमें नई दिल्ली भी शामिल होने की इच्छुक है। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय की स्थायी समिति द्वारा संसद में सौंपी गई एक हालिया रिपोर्ट में सामने आई है।

पहले सहयोग भर की थी संभावना: पहले भारत और फ्रांस के बीच इस मसले पर सहयोग की संभावना से जुड़े तथ्य के साथ कुछ रिपोर्ट सामने आ चुकी है। जबकि यह मामला मंत्रालय की मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अनुदान मांगों पर संसद में सौंपी गई 20वीं रिपोर्ट में की गई टिप्पणियों और सिफारिशों पर सरकार की कार्यवाही पर आधारित है। इन सबके बीच भारत और फ्रांस की बात करें तो दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग कोई नई बात नहीं है। यह दशकों से चला आ रहा है। 1950 के दशक में इसकी असल में शुरुआत हुई थी। भारतीय वायुसेना



फ्रांस में निर्मित डेसॉल्ट मिस्टरे, जगुआर, मिराज-2000 और राफेल जैसे कई प्रकार के लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर रही है। इस दृष्टिकोण के हिसाब से एफसीएएस में साझेदारी पारंपरिक लड़ाकू विमान विकास के इतर भावी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के विकास को तकनीक को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है। **भारत को यूं चाहिए छठी पीढ़ी का विमान :** भारत की फ्रांस के साथ साझेदारी के इस कदम के पीछे छिपा उद्देश्य यह है कि एक ओर जहां भारत एफ्का परियोजना के जरिए पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान विकसित कर रहा है। वहीं, अब उसे फ्रांसीसी समूह की मदद से इसकी अगली छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान विकसित करने की अत्याधुनिक तकनीक तक पहुंच बढ़ जाएगी। जिसमें मानवयुक्त लड़ाकू विमान व ड्रोन का संयुक्त रूप से संचालन, अलग-अलग प्लेटफॉर्म और सेंसर्स को एक नेटवर्क में जोड़ना, उन्नत इंजन (प्रॉपल्शन तकनीक), अत्याधुनिक स्टेथल क्षमता और भावी नेटवर्क केंद्रित हवाई युद्ध प्रणाली मुख्य हैं।

समयसीमा संग बनाया जाए रोडमैप : मंत्रालय ने संसदीय समिति को बीते वक्त में दुनिया में छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों का विकास करने के लिए दो अंतरराष्ट्रीय समूहों की उपस्थिति के बारे में अवगत कराया गया था। जिसमें पहला ब्रिटेन, इटली

और जापान जैसे तीन देशों का समूह है और दूसरा फ्रांस, जर्मनी और स्पेन जैसे देशों का समूह है। ब्रिटेन, इटली और जापान वाले समूह की तरफ से ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम (जोसीएपी) चलाया जा रहा है। जबकि फ्रांस, जर्मनी और स्पेन वाले समूह को प्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) का नाम दिया गया है। वहीं, समिति ने मंत्रालय से छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के अधिग्रहण की व्यापक रिपोर्ट, स्पष्ट रणनीति, रोडमैप तथा संभावित समय सीमा प्रस्तुत करने और योजना प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कहा है।

एफजीएफए कार्यक्रम से बाहर हुआ भारत : गौरतलब है कि फ्रांस से पहले भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) की तकनीक का विकास करने के लिए रूस के साथ जुड़ा हुआ था। लेकिन वह वर्ष 2018 में रूस के नेतृत्व वाले इस कार्यक्रम से बाहर हो गया था। जिसके पीछे काम के बंटवारे को लेकर उभरे मतभेद और एफजीएफए के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के मानकों पर खरा न उतरने की चिंताएं मुख्य हैं।

किसी वायुसेना में नहीं छठी पीढ़ी के विमान: गौरतलब है कि दुनिया में अभी तक किसी भी देश की वायुसेना के पास छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान सेवा में नहीं हैं। हां, इतना जरूर है कि अमेरिका, चीन सहित कई देश इन्हें यानी इनके प्रोटोटाइप विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। अमेरिका की वायुसेना और नौसेना क्रमशः एनजीएडी कार्यक्रम और एफए-डबलएक्स जैसी परियोजनाओं के तहत इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जबकि चीन जे-36 और जे-50 जैसे अपने संभावित छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान और प्रोटोटाइप पर काम कर रहा है।

दुनिया में इस श्रेणी के आधुनिक लड़ाकू विमान के विकास से जुड़े समूह का हिस्सा थे दोनों देश जर्मनी-फ्रांस के बीच पड़ी फूट... छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रम को किया रद्द!

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के विकास कार्यक्रम से जुड़े हुए जर्मनी-फ्रांस और स्पेन जैसे तीन देशों के समूह में दरार पड़ गई है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जर्मनी और फ्रांस अब इसका हिस्सा नहीं हैं। वो इससे बाहर हो चुके हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने मामले में जर्मनी से अलग होने की पुष्टि की है। जिसके बाद अब इस समूह की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई मौजूदगी नहीं रह गई है। वहीं, इस मामले पर भारत की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी

गई है। पूरे घटनाक्रम के बीच संसद की रक्षा मामलों की स्थायी समिति की एक रिपोर्ट ही मीडिया की सुर्खियों में छाई रही। जिसमें यह कहा गया कि भारत पांचवीं के अलावा छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के विकास के लिए फ्रांस के नेतृत्व वाले समूह में शामिल होने को लेकर वार्ता की शुरुआत कर दी है। यहां बता दें कि यह एक त्रिपक्षीय समूह है। जिसमें फ्रांस और जर्मनी के



अलावा स्पेन भी शामिल है। लेकिन अभी तक स्पेन की तरफ से इस विषय पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। **यूं जुदा हुई फ्रांस-जर्मनी की राह:** फ्रांस और जर्मनी छठी पीढ़ी के विमानों के विकास के लिए बनाए गए प्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम नामक कार्यक्रम से इसलिए अलग हो गए हैं। क्योंकि उनके बीच औद्योगिक अधिकार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और तकनीकी सहयोग को लेकर मतभेद उभरे थे।

प्रभावित नहीं होंगे रक्षा संबंध: रक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत और फ्रांस के बीच दशकों पुरानी रक्षा साझेदारी मौजूद है। जो कि भविष्य

में और अधिक मजबूत होगी। रक्षा मामलों की जिस संसदीय समिति के समक्ष रक्षा मंत्रालय ने मामले में अपना पक्ष रखा है। उससे जुड़ी प्रक्रिया बीते कुछ महीनों के दौरान घटी होगी। क्योंकि संसद में किसी भी केंद्रीय मंत्रालय से जुड़ी हुई रिपोर्ट को पेश करने से पहले एक तय प्रक्रिया होती है। जिसका अनिवार्य रूप से पालन किया जाता है। ऐसे में विषय को लेकर फ्रांस और जर्मनी के बीच आई खटास से भारत के फ्रांस के साथ रक्षा, सामरिक संबंधों और साझेदारी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। नई दिल्ली का एफ्का कार्यक्रम जारी है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने किया आश्वस्त तेल की कोई कमी नहीं, हमारे पास हमेशा 60 दिनों का कवर

एजेसी नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत ने इस वर्ष की शुरुआत में होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से आपूर्ति में आई रुकावटों से उपभोक्ताओं को अलग-अलग स्रोतों से आपूर्ति, रिफाइनिंग क्षमता में बढ़ोतरी और घरेलू उत्पादन बढ़ाने जैसे कदम उठाकर सफलतापूर्वक बचाया। पुरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध से पहले भारत अपना आधा कच्चा तेल उन देशों से आयात करता था जो होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते का इस्तेमाल करते थे।

साथ ही 90 प्रतिशत एलपीजी (रसोई गैस) और 60 प्रतिशत प्राकृतिक गैस का आयात इसी रास्ते से होता था। लेकिन भारत ने अपने स्रोतों में विविधता लाकर देश में कहीं भी ईंधन की कमी नहीं होने दी। पुरी ने देशभर में 1,07,000 से अधिक फ्यूल रिटेल आउटलेट के नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि एक भी स्टेशन पर ईंधन खत्म नहीं हुआ। हमें कभी भी कच्चे तेल की आपूर्ति की कमी का सामना नहीं करना पड़ा। हमारे पास हमेशा लगभग 60 दिनों का स्टॉक (कवर) था, कोई कमी नहीं हुई।

रूस और वेनेजुएला से होगी ऊर्जा सुरक्षा

भारत एक तरफ रूस के आर्कटिक हलाक से एलएनजी मंगाते और और दूसरी तरफ वेनेजुएला के दो बड़े ब्लॉकों का परिचालन अपने हाथ में लेने की तैयारी कर रहा है। रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रुडेको ने बताया कि भारत आर्कटिक क्षेत्र में तेल-गैस विकास और नॉर्ड्स सी स्ट्रैट में सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि दिखा रहा है। वेनेजुएला के नए कानून के तहत ओएनजीसी सैन क्रिस्टाबल और कारोबोबो- 1 तेल ब्लॉकों के परिचालन नियंत्रण का समझौता करने जा रही है।

दोनों देशों की वायुसेनाओं ने लिया भाग, डार्विन और टिंडल एयरबेस पर किया गया आयोजन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संपन्न हुआ पिच ब्लैक युद्धाभ्यास

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

दुनिया के कई भागों में चल रहे सैन्य संघर्षों के चिंताजनक दौर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ पिच ब्लैक युद्धाभ्यास-2026 सफलता के साथ संपन्न हो गया है। इस वर्ष इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया में किया गया था। जिसके लिए कुल 18 दिनों यानी 20 जुलाई से 7 अगस्त तक का समय तय किया गया था। भारत समेत दुनिया के करीब 20 देशों के 100 से ज्यादा विमान और 4 हजार से अधिक सैन्यकर्मि युद्धाभ्यास का हिस्सा बने। वायुसेना ने शनिवार को एक्स पर टेक्स्ट के साथ की गई एक वीडियो पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है।

पूरा हुआ मिशन: वायुसेना वायुसेना ने अपनी पोस्ट में मिशन पूरा, आकाश पर काबू और साझेदारियां मजबूत जैसे तीन खास के छोटे वाक्यों का प्रयोग किया है। साथ ही यह भी बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान प्रत्येक मिशन, संपर्क की मदद से रणनीतियों, प्रक्रियाओं और



केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह

अब 41 देशों से आ रहा कच्चा तेल

पुरी ने बताया कि भारत ने कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए अपने स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 कर लिया है, अपने फ्यूल रिटेल नेटवर्क को 2014 में लगभग 52,000 से बढ़ाकर लगभग 1,07,000 कर लिया है और शहर में गैस वितरण के दायरे को 55 भौगोलिक क्षेत्रों से बढ़ाकर 309 कर लिया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों से आयात में कमी की भरपाई के लिए घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया। अमेरिका एलपीजी की आपूर्ति करने वाला सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। आज भारत के एलपीजी आयात का लगभग 67 प्रतिशत अमेरिका से होता है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि आपूर्ति में सुधार के बावजूद भू-राजनीतिक संघर्षों के कारण वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में अनिश्चितता बढ़ी हुई है।



द्विवार्षिक युद्धाभ्यास है। इसका आयोजन हर दो साल में एक बार किया जाता है। भारत से इसमें भागीदारी करने के लिए साढ़े चार पीढ़ी का उन्नत बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान राफेल ऑस्ट्रेलिया गया था। इसके अलावा नई दिल्ली से वायुकर्मियों के दस्ते को ऑस्ट्रेलिया पहुंचाने के लिए विशालकाय सी-17 परिवहन विमान का इस्तेमाल किया गया था।

क्लीयर स्किन के लिए

Clearwin™

ANTI ACNE GEL

Clearwin™

ANTI ACNE GEL

सुहास व पुरिया

कार्य करने में सक्षम

अतिरिक्त तेल

विचार करने में सक्षम

मिशन व धने

कार्य करने में सक्षम

Face Wash, Soap, Cream

9896134500 www.wellncare.com